E-mail:-adhuniksamachar2014@gmail.com website:www.adhuniksamachar.com

आधुनिक समाचार

आधुनिक भारत का आधुनिक नजरिया

प्रयागराज से प्रकाशित हिन्दी दैनिक

वर्ष -12 अंक - 121 | प्रयागराज, सोमवार 27 जुलाई, 2026 | पृष्ठ- 8 | मूल्य : 3.00 रूपये

चीन-रूस जंग में आए तो अंजाम बुरा होगाःपुतिन-जिनपिंग ने मुझे यकीन दिलाया, वे ईरान को हथियार नहीं देंगे-ट्रम्प

तेहरान/वॉशिंगटन डीसी। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने शुक्रवार को कहा कि उन्हें नहीं लगता कि चीन या रूस ईरान युद्ध में शामिल हैं। हालांकि उन्होंने धमकी दी कि अगर दोनों देशों ने इस युद्ध में दखल दिया तो इसके गंभीर नतीजे होंगे और यह उनके लिए अच्छा नहीं होगा। ट्रम्प ने सोशल मीडिया पर लिखा कि हाल ही में बीजिंग में हुई उनकी मुलाकात के दौरान चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने उन्हें भरोसा दिया था कि वे किसी भी हाल में ईरान को हथियार नहीं देंगे। चीनी कंपनियों के लिए भी यही चीज लागू है। ट्रम्प ने कहा मुझे जिनपिंग पर यकीन है। उन्होंने यह भी कहा कि रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने भी उनसे कहा था कि वे ईरान को हथियार नहीं बेचेंगे। ट्रम्प ने कहा कि यूक्रेन जंग के बावजूद उनकी पुतिन से बातचीत जारी है। उन्होंने यह भी कहा कि अमेरिका सीधे यूक्रेन को हथियार नहीं बेचता, बल्कि नाटो

देशों को बेचता है। नाटो देश इन हथियारों की पूरी कीमत चुकाते हैं। उसके बाद वे इन्हें किस तरह आगे भेजते हैं, इसकी उन्हें जानकारी नहीं होती। पिछले 24 घंटे के 5 बड़े अपडेट्स- 1. नेतन्याहू अमेरिका जाएंगे, जंग के बाद पहली बार ट्रम्प से मुलाकातः इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू सोमवार को अमेरिका रवाना होंगे। वह राष्ट्रपति ट्रम्प से मुलाकात करेंगे। दोनों नेताओं की यह मुलाकात ईरान जंग शुरू होने के बाद पहली बार होगी। 2. कच्चा तेल 100 डॉलर प्रति बैरल के पारः ईरान-अमेरिका में लगातार बढ़ते तनाव के बीच कच्चे तेल की कीमतों में फिर तेज उछाल आया है। ब्रेंट क्रूड का भाव मई के बाद पहली बार 100 डॉलर प्रति बैरल के स्तर को पार कर गया है। 3. कुवैत में 3 अमेरिकी ठिकानों पर हमलाः ईरान ने शुक्रवार को कुवैत में मौजूद अमेरिका के तीन सैन्य ठिकानों पर ड्रोन हमला किया है। इसमें कैंप अरिफजान, कैंप दोहा और कैंप अदैरी को निशाना बनाया गया।**आगे की खबर पेज संख्या 07 पर..**

डोनाल्ड ट्रम्प-राष्ट्रपति, यूएसए- ईरान की नौसेना खत्म हो चुकी है। उनकी वायु सेना भी खत्म हो चुकी है। उनके 250 विमान अब नहीं रहे और 159 नौकाएं समुद्र में डूब चुकी हैं।

ईरान पे सबसे बड़े हमले से पीछे हटे ट्रम्प,सेना को कार्रवाई रोकने का आदेश

अधिकारियों की चेतावनी- देश में पैट्रियट इंटरसेप्टर मिसाइलों की कमी

वॉशिंगटन डीसी/तेहरान। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने ईरान पर सबसे बड़े हमले को फिलहाल रोक दिया है। द न्यूयॉर्क टाइम्स और एक्सियोस की रिपोर्ट के मुताबिक, शुक्रवार को शीर्ष सलाहकारों और कैबिनेट सदस्यों के साथ बैठक के बाद ट्रम्प ने सेना को नए बड़े हमले रोकने का आदेश दिया। रिपोर्ट के अनुसार, अमेरिकी सैन्य अधिकारियों ने चेतावनी दी थी कि अगर अभियान और बढ़ाया गया तो मिडिल-ईस्ट में तैनात अमेरिकी सेना के पास पैट्रियट इंटरसेप्टर मिसाइलों और अन्य एयर डिफेंस हथियारों का भंडार गंभीर रूप से कम हो सकता है। जॉइंट चीफ्स ऑफ स्टाफ के चेयरमैन जनरल डैन केन ने सलाह दी कि बड़े अभियान से मिडिल-ईस्ट में तैनात अमेरिकी सैनिकों और सहयोगी देशों की सुरक्षा प्रभावित हो सकती है। रिपोर्ट के अनुसार, अप्रैल के अंत तक अमेरिका 1200 से ज्यादा पैट्रियट इंटरसेप्टर मिसाइलें इस्तेमाल कर चुका था। एक्सियोस के मुताबिक, फिलहाल यह स्पष्ट नहीं है कि हमले रोकने का फैसला अस्थायी है या लंबे समय तक लागू रहेगा। हालांकि, जरूरत पड़ने पर अमेरिकी सेना बड़े सैन्य

अभियान के लिए तैयार रहेगी। पिछले 24 घंटे के 5 बड़े अपडेट्स- 1. हूती विद्रोहियों का सऊदी अरब की रिफाइनरी पर हमलाः हूती विद्रोहियों ने दावा किया है कि उन्होंने शनिवार को सऊदी अरब के जजान स्थित सऊदी अरामको रिफाइनरी पर 3 बैलिस्टिक मिसाइलों से हमला किया है। जजान रिफाइनरी को सऊदी अरब की पांचवीं सबसे बड़ी तेल रिफाइनरी माना जाता है। 2. ईरान की फायरिंग के बाद 4 जहाजों ने बदला रास्ताः ईरान के इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स ने दावा किया है कि उसकी नौसेना ने पिछले 24 घंटे में होर्मुज स्ट्रेट से गुजरने की कोशिश कर रहे चार जहाजों पर चेतावनी के तौर पर फायरिंग की। इसके बाद चारों जहाजों ने अपना रास्ता बदल लिया।3. ईरान में पेट्रोल महंगा करने पर विचारः ईरान सरकार पेट्रोल की खपत को कंट्रोल करने के लिए पेट्रोल को महंगा कर सकती है। सरकार के मुताबिक, अभी इस पर विचार कर रही है कि बदलाव कैसे लागू किए जाएं। 4. अमेरिका ने ईरान पर हमला रोकाः अमेरिका ने शुक्रवार रात ईरान पर हमला नहीं किया। इससे पहले वह लगातार 13 दिनों तक हर रात ईरान के सैन्य ठिकानों पर हमला कर रहा था। 5. बहरीन में अमेरिकी ठिकाने पर ईरानी हमलाः ईरान ने बहरीन में अमेरिकी फिफ्थ फ्लीट के नौसैनिक ठिकाने पर हमला किया। यहां ड्रोन और मिसाइलों से हमला किया गया, जिसके बाद कई बड़े विस्फोट हुए। होर्मुज पर ईरान-ओमान की बातचीत आगे बढ़ी-होर्मुज में जहाजों की सुरक्षित आवाजाही को लेकर ईरान और ओमान के बीच बातचीत आगे बढ़ी है। ईरान के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता इस्माइल बघाई ने बताया कि तेहरान में दोनों देशों के उप-विदेश मंत्रियों के बीच दो दिन तक बातचीत हुई। बघाई ने कहा कि दोनों देशों ने जहाजों की सुरक्षित आवाजाही और होर्मुज में अपने-अपने अधिकारों को लेकर चर्चा की। **आगे की खबर पेज संख्या 07 पर..**

राजनाथ बोले-देश इनोवेशन के रास्ते खोज रहा,पाक घुसपैठ के, अगर वह रोड़े अटकाएगा तो सेनाएं तैयार-रक्षामंत्री ने लद्दाख में कारगिल शहीदों को श्रद्धांजलि दी

नयी दिल्ली। कारगिल विजय दिवस की 27वीं वर्षगांठ पर रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने खड़ा कर रहा है। भारत सेमीकंडक्टर बना रहा है तो पाकिस्तान सुसाइड बॉम्बर्स

कहा कि भारत इनोवेशन के रास्ते खोज रहा है तो पाकिस्तान घुसपैठ के रास्ते खोज रहा है। भारत शिप डिजाइन कर रहा है तो पाकिस्तान टेरर डिजाइन में लगा हुआ है। भारत स्टार्टअप इकोसिस्टम खड़ा कर रहा है तो पाकिस्तान टेरर इकोसिस्टम तैयार कर रहा है। साफ है कि हमारे रास्ते अलग-अलग हैं। ऐसे में पाकिस्तान अपने घटिया मंसूबे लेकर हमारी समृद्धि के रास्ते में रोड़े खड़े करता है तो उसे करारा जवाब देने के लिए हमारी सेनाएं तैयार बैठी हैं। इससे पहले रक्षा मंत्री ने लद्दाख के द्रास स्थित कारगिल वॉर मेमोरियल में शहीदों को श्रद्धांजलि दी। रक्षा मंत्री के भाषण के 6 पॉइंट-भारत की मंशा पूरी तरह स्पष्ट है। पाकिस्तान से कोई बातचीत नहीं होगी। अगर बातचीत होगी भी, तो सिर्फ पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर पर होगी, जो भारत का अभिन्न हिस्सा है और जिस पर पाकिस्तान ने अवैध कब्जा कर रखा है। कारगिल वॉर मेमोरियल में पूरा भारत दिखाई देता है। यहां शहीदों में हिमाचल प्रदेश, नगालैंड, मेघालय, तमिलनाडु समेत देश के हर हिस्से के जवानों के नाम दर्ज हैं। शहीदों में मंदिर, मस्जिद, गुरुद्वारा और चर्च जाने वाले सभी धर्मों के लोग शामिल हैं। जो लोग देश को बांटने का सपना देखते हैं, उन्हें इस स्मारक की दीवार को देखना चाहिए। यह दीवार ही भारत को बांटने की उनकी सोच का सबसे बड़ा जवाब है। कारगिल युद्ध केवल भारत की सैन्य और कूटनीतिक जीत नहीं था, बल्कि वह ऐतिहासिक क्षण था जब पूरी दुनिया ने भारतीय सैनिकों के अदम्य साहस और वीरता को देखा। भारतीय सैनिकों ने अपने शौर्य से ऐसा इतिहास रचा, जो हर भारतीय के लिए गर्व का विषय है। भारत अंतरिक्ष में सैटेलाइट भेज रहा है तो पाकिस्तान आज भी आतंकवादियों को सीमा पार भेजने का काम कर रहा है। भारत दुनिया को सॉफ्टवेयर दे रहा है तो पाकिस्तान दुनिया को स्लीपर सेल दे रहा है।**आगे की खबर पेज संख्या 07 पर..**

आईसीसी ने चीफ प्रॉसिक्यूटर करीम खान को हटाया,यौन दुराचार के आरोपों में 125 में से 82 सदस्यों ने हटाने के पक्ष में दिया वोट

यूएई। द हेग स्थित इंटरनेशनल क्रिमिनल कोर्ट

(आईसीसी) ने चीफ प्रॉसिक्यूटर करीम खान को यौन दुराचार के आरोपों के चलते पद से हटा दिया है। शुक्रवार को कोर्ट के 125 सदस्य देशों वाली असेंबली ऑफ स्टेट्स पार्टीज ने उनके हटाने के पक्ष में वोट किया। वोटिंग में 82 सदस्यों ने खान को हटाने के पक्ष में वोट दिया, जबकि 18 ने विरोध किया। 15 सदस्य वोटिंग से दूर रहे। आईसीसी ने कहा कि खान ने 'गंभीर दुराचार और कर्तव्य का गंभीर उल्लंघन' किया है। खान की कानूनी टीम के वकील तैयब अली ने कहा खान इस फैसले को 'सभी उपलब्ध कानूनी माध्यमों' से चुनौती देंगे। एपी की रिपोर्ट के मुताबिक, आरोप पहली बार 2024 की शुरुआत में सामने आए थे। खान पर एक महिला सहयोगी को यौन संबंध बनाने के लिए मजबूर करने का आरोप लगा था। खान मई 2025 से प्रशासनिक अवकाश पर थे। 8 जून 2026 को उन्हें औपचारिक रूप से निलंबित कर दिया गया था और उनके पद से हटाने की प्रक्रिया शुरू की गई थी। करीम खान के कार्यकाल में आईसीसी ने रूस और इजराइल के नेताओं के खिलाफ गिरफ्तारी वारंट जारी किए थे। दोनों देश आईसीसी के अधिकार क्षेत्र को मान्यता नहीं देते हैं। पिछले साल अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने करीम खान पर प्रतिबंध लगाए थे।

ट्रम्प ने इसकी वजह इजराइली अधिकारियों के खिलाफ जारी गिरफ्तारी वारंट और अमेरिकी सैनिकों पर मुकदमा चलाने की आईसीसी की कोशिशों को बताया था।

प्रधान के इस्तीफे पर वर्ल्ड मीडिया-गार्डियन ने लिखा- जनता के दबाव में 12 साल में पहला इस्तीफा, बीबीसी बोला- छात्रों के आगे झुकी मोदी सरकार

नयी दिल्ली। शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान का इस्तीफा हो गया है। नीट पेपर लीक केस में उनके इस्तीफे की मांग करते हुए कॉकरोच जनता पार्टी पिछले 36 दिन से जंतर-मंतर पर धरना दे रही है। इस्तीफे के बाद में इस्तीफा देंगे या नहीं, इसे लेकर आखिरी समय तक कुछ पता नहीं चल पा रहा था। उनके इस्तीफे के बाद आंदोलन में शामिल छात्रों, खासकर पहली बार किसी बड़े प्रदर्शन का हिस्सा बने युवाओं को

बीबीसी ने लिखा कि मोदी सरकार को छात्रों के आगे झुकना पड़ा है। वहीं गार्डियन ने लिखा कि मोदी सरकार के 12 साल में पहली बार जनता के दबाव में किसी मंत्री का इस्तीफा हुआ। धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे को न्यूयॉर्क टाइम्स, सीएनएन, अल जजीरा और डॉन समेत कई अंतरराष्ट्रीय मीडिया संस्थानों ने भी टॉप स्टोरीज में जगह दी है। बीबीसीः सरकार ने छात्रों के गुस्से का सही अंदाजा नहीं लगाया- 2014 में सत्ता में आने के बाद से प्रधानमंत्री मोदी सरकार आम तौर पर विरोध प्रदर्शनों के प्रति सख्त रुख अपनाती रही है और शायद ही कभी किसी बड़े आंदोलन के आगे झुकी हो। इससे पहले मोदी सरकार ने सिर्फ एक बड़े मामले में अपना फैसला वापस लिया था, जब करीब एक साल तक चले किसान आंदोलन के बाद तीनों कृषि कानूनों को रद्द करना पड़ा था। इस बार सरकार को अंदाजा नहीं था कि छात्र आंदोलन इतना बड़ा और लंबा चलेगा।शुरुआत में कई हफ्तों तक आंदोलन को नजरअंदाज किया गया, लेकिन इस सप्ताह संसद की ओर मार्च कर रहे प्रदर्शनकारियों पर पुलिस की सख्ती के बाद देशभर में तीखी प्रतिक्रिया हुई और सरकार पर दबाव काफी बढ़ गया। धर्मेंद्र प्रधान जैसे वरिष्ठ केंद्रीय मंत्री वास्तव अपनी जीत का अहसास हो रहा है। द गार्डियनः मोदी के सबसे करीबी मंत्रियों में से एक का इस्तीफा- भाजपा के 12 साल के शासन में यह पहली बार है, जब प्रधानमंत्री मोदी के सबसे करीबी और भरोसेमंद मंत्रियों में से एक को सार्वजनिक दबाव के कारण इस्तीफा देना पड़ा है। इनका नेतृत्व नए बने युवा राजनीतिक संगठन कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) ने किया। इस सप्ताह यह आंदोलन देशभर में युवाओं के बड़े विरोध प्रदर्शन में बदल गया। धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की खबर मिलते ही दिल्ली में जुटे हजारों सीजेपी समर्थकों में खुशी की लहर दौड़ गई। प्रदर्शनकारियों ने जश्न मनाया और इसे सरकार से जवाबदेही की अपनी मांग की बड़ी जीत बताया। न्यूयॉर्क टाइम्सः प्रदर्शनकारियों को 'आतंकियों की बी-टीम' कहा था, अब रिजाइन- शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने इस्तीफा दे दिया। भारत में चल रहा छात्र आंदोलन सरकार के सामने सबसे बड़ी चुनौतियों में से एक बन गया था। इस आंदोलन की अगुआई खुद को 'कॉकरोच' कहने वाले छात्र समूह कर रहे थे। यह नाम भारत के चीफ जस्टिस की कथित अपमानजनक टिप्पणी से प्रेरित था। यह संगठन शुरुआत से ही धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफा मांग रहा था।

नेपाल में रु25 हजार तक के भारतीय नोट ले जाने की मंजूरी, रु200 और रु500 के नए नोट ही मान्य

काठमांडू। नेपाल ने भारतीय और नेपाली नागरिकों को 9 नवंबर 2016 के बाद जारी रु200 और रु500 के भारतीय नोट, अधिकतम रु25,000 तक नेपाल

लाने और ले जाने की अनुमति दे दी है। नेपाल राष्ट्र बैंक ने नई अधिसूचना जारी कर नियमों को स्पष्ट किया है। केंद्रीय बैंक के अनुसार, 8 नवंबर 2016 से पहले जारी रु500 और रु1,000 के पुराने भारतीय नोटों पर प्रतिबंध पहले की तरह जारी रहेगा। वहीं, नेपाली नागरिक भारतीय मुद्रा केवल भारत से ही नेपाल ला सकेंगे और नेपाल से किसी तीसरे देश में नहीं ले जा सकेंगे। एनआरबी के प्रवक्ता गुरु प्रसाद पौडेल ने कहा कि नए नियम से नेपाल आने वाले भारतीय पर्यटकों और भारत के साथ व्यापार करने वाले नेपाली नागरिकों को सुविधा मिलेगी। अधिसूचना में यह भी कहा गया है कि नेपाली नागरिक और विदेशी यात्री बिना कस्टम घोषणा के 5,000 अमेरिकी डॉलर या उसके बराबर विदेशी मुद्रा नेपाल ला सकते हैं। इससे अधिक राशि होने पर कस्टम में घोषणा करना अनिवार्य होगा।

जर्मनी में प्राइड परेड पर हमला, भीड़ को वैन से कुचला, 1 की मौत, 16 घायल, आरोपी गिरफ्तार

बर्लिन। जर्मनी की राजधानी बर्लिन में एलजीबीटीक्यू समुदाय की प्राइड परेड के दौरान शनिवार देर पहले प्राइड परेड निकली थी। कई लोगों को टक्कर मारने के बाद वैन एक पेड़ से टकरा गई।

रात एक वैन भीड़ में घुस गई। हादसे में एक व्यक्ति की मौत हो गई, जबकि 16 लोग घायल हुए हैं। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है और मामले की जांच जारी है। पुलिस के मुताबिक, सफेद वैन टियरगार्टन पार्क के पास उस इलाके में घुसी, जहां से कुछ घायलों में कुछ की हालत गंभीर है। घटना के बाद प्राइड कार्यक्रम और कॉन्सर्ट रद्द कर दिए गए। जर्मन चांसलर फ्रेडरिक मर्च ने मामले की पूरी जांच और दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई का भरोसा दिया। वहीं, बर्लिन के मेयर काई वेगनर ने इसे समाज पर हमला बताया।

दावा- हूती विद्रोहियों का सऊदी की 5वीं सबसे बड़ी रिफाइनरी पर हमला, 3 बैलिस्टिक मिसाइलों से अरामको को निशाना बनाया

तेहरान/वॉशिंगटन डीसी। हूती विद्रोहियों ने दावा किया है कि उन्होंने शनिवार को सऊदी अरब के जजान स्थित सऊदी अरामको रिफाइनरी पर 3 बैलिस्टिक मिसाइलों से हमला किया है। जजान रिफाइनरी को सऊदी अरब की पांचवीं सबसे बड़ी तेल रिफाइनरी माना जाता है। इसकी क्षमता प्रतिदिन करीब 4 लाख बैरल कच्चे तेल को प्रोसेस करने की है। यह लाल सागर के किनारे स्थित होने के कारण सऊदी अरब के ऊर्जा और तेल निर्यात नेटवर्क का अहम हिस्सा है। यह हमला ऐसे समय हुआ है जब सऊदी अरब ने हाल ही में यमन में हूती ठिकानों पर हवाई हमले किए थे। इसके जवाब में हूतियों ने सऊदी के एनर्जी एन्फ्रास्ट्रक्चर को निशाना बनाने का दावा किया है। हमले के बाद सोशल मीडिया पर रिफाइनरी से आग और धुएं के वीडियो सामने आए हैं। हालांकि, अभी तक सऊदी सरकार या अरामको ने रिफाइनरी पर सीधे मिसाइल लगने या किसी बड़े नुकसान की आधिकारिक पुष्टि नहीं की है। पिछले 24 घंटे के बड़े अपडेट्स-1. नेतन्याहू अमेरिका जाएंगे, जंग के बाद पहली बार ट्रम्प से मुलाकातः इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू सोमवार को अमेरिका रवाना होंगे। वह राष्ट्रपति ट्रम्प से मुलाकात करेंगे। दोनों नेताओं की यह मुलाकात ईरान जंग शुरू होने के बाद पहली बार होगी। 2. कच्चा तेल 100 डॉलर प्रति बैरल के पारः ईरान-अमेरिका में लगातार बढ़ते तनाव के बीच कच्चे तेल की कीमतों में फिर तेज उछाल आया है। ब्रेंट क्रूड का भाव मई के बाद पहली बार 100 डॉलर प्रति बैरल के स्तर को पार कर गया है।

अल्पसंख्यक वर्ग के कक्षा 9 से 12 तक के छात्र-छात्राओं हेतु छात्रवृत्ति आवेदन की समय-सारिणी जारी

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। शनिवार को जिला अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी रायबरेली महिमा ने बताया है कि वित्तीय वर्ष/शैक्षणिक सत्र 2026-27 के लिए अल्पसंख्यक वर्ग की पूर्वदशम (कक्षा 9-10) एवं दशमोत्तर (कक्षा 11-12) छात्रवृत्ति योजनाओं के अंतर्गत आवेदन एवं अन्य प्रक्रियाओं की समय-सारिणी जारी कर दी गई है। उन्होंने बताया कि निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार शिक्षण संस्थानों द्वारा 22 जुलाई से 05 अगस्त 2026 तक मास्टर डाटा तैयार किया जाएगा। जिला विद्यालय निरीक्षक द्वारा विद्यालयों की मान्यता, स्वीकृत सीटों की संख्या एवं प्रोफाइल का ऑनलाइन सत्यापन 23 जुलाई से 09 अगस्त 2026 तक किया जाएगा तथा अल्पसंख्यक वर्ग हेतु एनएसपी पोर्टल पर निजी विद्यालयों की मार्किंग 23 जुलाई से 10 अगस्त 2026 तक की जाएगी। नवीनीकरण श्रेणी के कक्षा 9 से 12 के छात्र-छात्राओं के लिए आवेदन नवीनीकरण एवं हार्डकॉपी संस्थान में जमा करने की अवधि 11 अगस्त से 25 अगस्त 2026 निर्धारित की गई है। विद्यालयों द्वारा बायोमैट्रिक, प्राप्तांक, पूर्णांक, उपस्थिति दर्ज करने एवं अपात्र छात्रों का डाटा निरस्त करने की कार्यवाही 11 अगस्त से 30 अगस्त 2026 तक तथा जिला विद्यालय निरीक्षक द्वारा सत्यापन 31 अगस्त से 10 सितम्बर 2026 तक किया जाएगा। नवीन आवेदन के अंतर्गत कक्षा 9 एवं 11 के छात्र-छात्राओं के लिए ऑनलाइन पंजीकरण एवं आवेदन 11 अगस्त से 21 सितम्बर 2026 तक किए जाएंगे। आवेदन की हार्डकॉपी आवश्यक संलग्नकों सहित विद्यालय में 12 अगस्त से 05 अक्टूबर 2026 तक जमा की जाएगी। विद्यालयों द्वारा आवेदन का ऑनलाइन सत्यापन एवं अग्रसारण 13 अगस्त से 15 अक्टूबर 2026 तक तथा जिला विद्यालय निरीक्षक द्वारा अंतिम सत्यापन 16 अक्टूबर से 05 नवम्बर 2026 तक किया जाएगा।जिला अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी ने बताया कि निदेशक, अल्पसंख्यक कल्याण, उत्तर प्रदेश, लखनऊ द्वारा शासन के निर्देशानुसार उक्त समय-सारिणी जारी की गई है। जनपद के सभी शिक्षण संस्थानों को निर्देशित किया गया है कि वे निर्धारित समय-सारिणी के अनुसार समस्त प्रक्रियाएं समयबद्ध ढंग से पूर्ण करें तथा इसका व्यापक प्रचार-प्रसार सुनिश्चित करें, जिससे अल्पसंख्यक वर्ग के पात्र छात्र-छात्राएं छात्रवृत्ति योजना के लाभ से वंचित न रह जाएं।

क्षेत्राधिकारी ओबरा प्रभात राय द्वारा थाना कोन क्षेत्र की चौकी चांचीकला एवं चौकी रानीडीह का आकस्मिक निरीक्षण

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। दिनांक 25.07.2026 को क्षेत्राधिकारी ओबरा श्री प्रभात राय द्वारा थाना कोन अन्तर्गत चौकी चांचीकला एवं चौकी रानीडीह का आकस्मिक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान चौकी कार्यालय, अभिलेखों, मालखाना, हवालात, शस्त्रागार, बैरक, भोजनालय, साफ-सफाई एवं अन्य व्यवस्थाओं का गहन निरीक्षण किया गया। अभिलेखों के सुव्यवस्थित रख-रखाव तथा कार्यालयीय कार्यों की समीक्षा करते हुए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। चौकी पर मौजूद पुलिस कर्मियों को शासन की प्राथमिकताओं के अनुरूप कानून-व्यवस्था को सुदृढ़ बनाए रखने, अपराध एवं अपराधियों पर प्रभावी नियंत्रण रखने, लंबित प्रार्थना पत्रों एवं विवेचनाओं का गुणवत्तापूर्ण एवं समयबद्ध निस्तारण करने, बीट पुलिसिंग को सक्रिय रखने तथा आमजन के साथ विनम्र एवं संवेदनशील व्यवहार करने के निर्देश दिए गए। इसके अतिरिक्त चौकी परिसर की साफ-सफाई, अभिलेखों के नियमित अद्यतन, रात्रि गश्त को प्रभावी बनाने तथा संदिग्ध व्यक्तियों एवं वाहनों की सघन चेकिंग करने हेतु भी निर्देशित किया गया।

डीएम व एसपी ने सावन मास एवं कांवड़ यात्रा की तैयारियों का किया स्थलीय निरीक्षण

श्रद्धालुओं की सुरक्षा, स्वच्छता, यातायात, स्वास्थ्य सेवाओं एवं कानून-व्यवस्था की व्यवस्थाएं चाक-चौबंद रखने के दिए निर्देश

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। शनिवार को आगामी सावन मास, कांवड़ यात्रा, गंगा घाटों पर स्नान एवं शिव मंदिरों में जलाभिषेक के दृष्टिगत जिलाधिकारी सरनीत कौर ब्रोका एवं पुलिस अधीक्षक रवि कुमार ने जनपद के विभिन्न प्रमुख स्थलों का स्थलीय निरीक्षण कर तैयारियों का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने बाल्हेश्वर मंदिर ऐहार, गेंगासो गंगा घाट तथा डलमऊ गंगा घाट सहित अन्य महत्वपूर्ण स्थलों का निरीक्षण कर श्रद्धालुओं की सुविधा एवं सुरक्षा के लिए की जा रही व्यवस्थाओं का गहन परीक्षण किया।निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी एवं पुलिस अधीक्षक ने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि सावन मास में बड़ी संख्या में आने वाले श्रद्धालुओं एवं कांवड़ यात्रियों को किसी भी प्रकार की असुविधा न हो। उन्होंने कहा कि सभी व्यवस्थाएं समय से पूर्ण कर ली जाएं तथा प्रत्येक व्यवस्था का नियमित निरीक्षण एवं प्रभावी मॉनिटरिंग सुनिश्चित की जाए। जिलाधिकारी ने निर्देश दिए कि गंगा घाटों एवं मंदिर परिसरों में स्वच्छता व्यवस्था निरंतर बनी रहे तथा साफ-सफाई के लिए पर्याप्त संख्या में सफाई कर्मियों की तैनाती की जाए। उन्होंने पेयजल, शौचालय, प्रकाश व्यवस्था तथा आवश्यक नागरिक सुविधाओं को दुरुस्त रखने के निर्देश भी दिए। श्रद्धालुओं की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए पुलिस अधीक्षक ने कहा कि सभी संवेदनशील एवं भीड़भाड़ वाले स्थलों पर पर्याप्त पुलिस बल की तैनाती की जाए। बैरिकेडिंग, प्रवेश एवं निकास मार्गों का सुव्यवस्थित संचालन, भीड़ नियंत्रण, पार्किंग व्यवस्था तथा यातायात संचालन के लिए प्रभावी कार्ययोजना लागू की जाए, जिससे श्रद्धालुओं का आवागमन सुचारु रूप से संचालित हो सके। निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने स्वास्थ्य विभाग को निर्देशित किया कि प्रमुख स्थलों पर प्राथमिक उपचार केंद्र, एम्बुलेंस तथा चिकित्सा टीम की उपलब्धता सुनिश्चित की जाए ताकि किसी भी आकस्मिक स्थिति में तत्काल चिकित्सा सहायता प्रदान की जा सके। साथ ही विद्युत विभाग को निर्बाध विद्युत आपूर्ति एवं पर्याप्त प्रकाश व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। जिलाधिकारी ने कहा कि सभी विभाग आपसी समन्वय के साथ कार्य करें तथा किसी भी स्तर पर लापरवाही न बरती जाए। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि श्रद्धालुओं की सुरक्षा, सुविधा एवं कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए प्रत्येक व्यवस्था का नियमित निरीक्षण किया जाए तथा आवश्यकता पड़ने पर तत्काल आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। निरीक्षण के दौरान अध्यक्ष नगर पंचायत डलमऊ ब्रजेश दत्त गौड़, अपर जिलाधिकारी (प्रशासन) सिद्धार्थ, उप जिलाधिकारी लालगंज राजेश श्रीवास्तव, उप जिलाधिकारी डलमऊ प्रीति सिंह, क्षेत्राधिकारी लालगंज सुजीत राय सहित संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

Gem of आधुनिक समाचार 2026

जीवन का संघर्ष- सुप्रसिद्ध समाजसेविका श्रीमती नीलम प्रसाद

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) प्रयागराज। सुप्रसिद्ध समाजसेविका श्रीमती नीलम प्रसाद पत्नी श्री दशरथ प्रसाद आईएएस पेशे से व्यवसाई है। आपका पेट्रोल पंप तथा कृषि यंत्रों आदिसे संबंधित व्यवसाय हैं। जिसको माध्यम बनाकर आपने समाज सेवा के क्षेत्र में अपनी उल्लेखनीय अभिरुचि दिखाइ। सर्वप्रथम आप अंध विद्यालय एवं अनाथालयों से जुड़कर कई वर्षों तक अपना अमूल्य योगदान दिया। प्रारंभ से आज तक आप शिक्षा को जन जन तक पहुंचाने के लिए सतत लगी रहती है। जिसमें प्राइमरी स्कूल को गोद लेना, बच्चों को गोद लेकर पढाना और साथ ही स्लम बस्ती के बच्चों को शिक्षित करने वाली संस्था से आज भी आप जुड़ी हुई है। बालिकाओं के प्रति विशेष रूप से उनकी शिक्षा, शादी एवं उन्हें आत्मनिर्भर बनाने में आज भी आप सक्रिय भूमिका निभा रही हैं। पर्यावरण, जल संरक्षण एवं वृक्षारोपण आदि के क्षेत्र में आपकी ख्याति सराहनीय है जैसे सफाई अभियान, पीसीआरए प्रोग्राम एवं स्कूलों में पर्यावरण के प्रति जागरूकता बढ़ाने के प्रयास करती रहती हैं। जल संरक्षण में आपकी प्रसिद्धि राष्ट्रीय स्तर पर चर्चा में रहती है यह कार्य राष्ट्रीय संस्था 'गंगा समग्र' के माध्यम से होता है जिसमें आपका दायित्व प्रांत संपर्क अधिकारी, काशी प्रांत की है। यहां गंगा मां को अविरल एवं निर्मल बनाने के लिए संकल्प लिया जाता है। गंगा मां की सहायक नदियों, प्राचीन अमृत सरोवर, नालों आदि के जीर्णोद्धार एवं उसमें जल संरक्षित करके उसे सुरक्षित करने के व्यापक उद्देश्य शामिल है। अभी हाल में ही इसकी राष्ट्रीय बैठक दिल्ली में आयोजित हुई जिसमें महामहिम पूर्व राष्ट्रपति श्री रामनाथ कोविंद जी के साथ जल संरक्षण पर चर्चा हुई। इसी प्रकार वृक्षारोपण गंगा समग्र का एक प्रमुख आयाम है जिसमें वृक्ष लगाने को तथा उसे संरक्षित करने का कार्य किया जाता है। श्रीमती नीलम प्रसाद बहुमुखी प्रतिभा की धनी है। साहित्य एवं संगीत के क्षेत्र में भी आपका नाम है प्रयाग संगीत समिति से ओंकल म्यूजिक की शिक्षा ग्रहण करके आप लोक साहित्य में अपनी प्रतिभा देश-विदेश में फैला रही हैं हिंदी वांगमय में लोक संवेदना एक सर्व प्रमुख पक्ष है जो लोक साहित्य से ही आती है पारंपरिक गीतों से पूरा जन मानस आद्योपांत भरा पड़ा है हमारी सभ्यता संस्कृति में संगीत जन्म से मृत्यु तक लोक कथाओं, परंपराओं एवं संस्कारों के माध्यम से सबको जोड़ी हुई है.उपयुक्त सामाजिक प्रयासों एवं प्रसिद्धियो के लिए आपको देश-विदेश से अनेकों प्रतिष्ठित मान सम्मान एवं पुरस्कार मिले हैं जिसमें कुछ प्रमुख इस प्रकार है- 1. अंतरराष्ट्रीय नेपाल भारत मैत्री अवार्ड 2026, 2. अंतर्राष्ट्रीय नेपाल भारत साहित्य शिरोमणि सम्मान 2020, 3. मुंशी प्रेमचंद साहित्य रत्न सम्मान जयपुर,4. साहित्य शिरोमणी अवॉर्ड (विश्व हिंदी दिवस पर) प्रयागराज, 5. पूर्वांचल गौरव सम्मान, 6. पाल रत्न सम्मान, मुंबई, 7. रजत जयंती सम्मान (अमर उजाला), 8. प्रयागराज स्मार्ट सिटी महिला सम्मान, 9. नारी शक्ति सम्मान एवं कई मातृ शक्ति सम्मान, के साथ ही साथ प्रयागराज की अनेकों संस्थाओं द्वारा समय समय पर सम्मानित किया जा चुका है। यह सब सामाजिक कार्य अपनी संस्था श्री दशरथ प्रसाद पाल मेमोरियल संस्थान की ओर से किया जाता है। जिसकी अध्यक्षा श्रीमती नीलम प्रसाद जी स्वयं है। अपनी व्यवसाय के क्षेत्र में भी आपका बहुत नाम है। पेट्रोलियम पदार्थों के अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन (हाइड्रोकार्बन के लिए) जो विज्ञान भवन, दिल्ली में आयोजित हुआ और जिसमें अनेक देशों के विदेश मंत्रियों ने भाग लिया के सम्मेलन में प्रयागराज से आपको भेजा गया था। जिसमें प्रधानमंत्री जी की अध्यक्षता में हाइड्रो कार्बन के वैकल्पिक प्रयोग पर चर्चा हुई थी। आज वर्तमान में आपको तीन प्रमुख पेट्रोलियम कंपनियों के डीलरो की उपाध्यक्षा चुना गया है। आपको इंडियन ऑयल, उत्तर प्रदेश राज्य कार्यालय से कर्मचारी वेलफेयर सम्मान से सम्मानित किया गया है। आपकी एक्टिविटी सोशियल मीडिया, प्रिंट मीडिया आदि पर हमेशा चर्चा में रहती है।

Neelam Prasad
Mobile 7905318082
Mail- neelampdald@gmail.com

महिला आयोग की सदस्य ने महिला उत्पीड़न से संबंधित सुनीं शिकायतें,महिला जनसुनवाई में प्राप्त हुई 16 शिकायते

महिला आयोग की सदस्य ने महिलाओं से जुड़ी विभिन्न योजनाओं को जन-जन तक पहुचाने के लिए दिये निर्देश

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। उ0प्र0 राज्य महिला आयोग की सदस्य पुनम द्विवेदी ने आज जिला पंचायत सभागार में महिला उत्पीड़न व उनकी समस्याओं से जुड़े मुद्दो के बारे में अधिकारियों से समीक्षा की। बैठक के दौरान उन्होंने जन सुनवाई करते हुए घरेलू हिंसा, यौन उत्पीड़न, वैवाहिक समस्या, लैंगिक भेदभाव, शिक्षा व रोजगार आदि संबंधी शिकायत सुनी। उन्होंने सम्बन्धित अधिकारियों को निर्देश दिये कि सभी प्रकरण को संज्ञान में लेते हुए पीड़ित महिलाओ को शीघ्र न्याय दिलाया जाए। निर्देश दिये कि महिलाओं के उत्पीड़न व महिला से जुड़ी शिकायतों का निस्तारण गुणवत्तापूर्वक एवं समयबद्ध तरीके से किया जाये तथा महिलाओं से सम्बन्धित विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं का प्रचार-प्रसार ग्राम पंचायत व ग्रामीण स्तर पर कराया जाये। जिन प्रकरणों में अभी कार्यवाही लंबित है उन्हें भी आयोग के संज्ञान में लाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि आयोग के निर्देश है कि महिलाओं और बच्चों से संबंधित प्रकरणों में शीघ्र कार्रवाई की जाए। महिला जन सुनवाई के दौरान 16 शिकायत प्राप्त हुई जिन्हें शीघ्र निस्तारित करने का निर्देश दिया गया। उन्होंने कहा कि पीड़ित महिलाओं को निःशुल्क विधिक सहायता भी उपलब्ध कराई जाएगी। महिला आयोग सदस्य ने कहा कि महिलाओं की सुरक्षा, सम्मान एवं न्याय सुनिश्चित करना राज्य महिला आयोग की प्राथमिकता है और किसी भी पीड़िता के साथ अन्याय नहीं होने दिया जाएगा। इस अवसर पर उपस्थित महिलाओं को मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना, मुख्यमंत्री बाल सेवा योजना, स्पॉन्सरशिप योजना, महिला हेल्पलाइन नंबर, वन स्टॉप सेंटर एवं महिलाओं से सम्बन्धित पति की मृत्यु निराश्रित महिला पेंशन योजना, 181-महिला हेल्पलाईन, उ0प्र0 रानी लक्ष्मीबाई महिला एवं बाल सम्मान कोष योजना आदि के बारे में विस्तार पूर्वक जानकारी दी गई। इस मौके पर जिला प्रोबेशन अधिकारी शक्ति त्रिपाठी, मुख्य चिकित्सा अधीक्षका निर्मला साहु, जिला कार्यक्रम अधिकारी सुरेन्द्र कुमार, श्रम प्रवर्तन अधिकारी शिव शंकर पाल, जिला विधिक पीएलवी पूनम सिंह, अंजू, पुरुष चिकित्सालय डॉ0 रिचा त्रिपाठी, एसएचओ महिला थाना पुष्पा शर्मा, बाल संरक्षण अधिकारी वीरेन्द्र पाल, जिला मिशन कोऑर्डिनेटर शैफाली सिंह, जेण्डर स्पेशलिस्ट पूजा तिवारी, काउंसलर श्रद्धा सिंह सहित अन्य अधिकारी/कर्मचारी उपस्थित रहे।

उत्तर प्रदेश खादी एवं ग्रामोद्योग बोर्ड प्रयागराज द्वारा सोरांव ब्लॉक परिसर में एक दिवसीय जागरूकता कार्यक्रम का किया गया आयोजन

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) प्रयागराज। उत्तर प्रदेश खादी तथा ग्रामोद्योग बोर्ड, प्रयागराज की ओर से शनिवार को सोरांव ब्लॉक परिसर में एक दिवसीय जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य ग्रामीण युवाओं, महिलाओं एवं स्वरोजगार के इच्छुक लोगों को विभाग द्वारा संचालित विभिन्न रोजगारपरक योजनाओं की जानकारी देना है। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि फाफामऊ विधायक श्री गुरु प्रसाद मौर्य व अति विशिष्ट अतिथि निर्मला पासवान जिला अध्यक्ष गंगापार एवं पूर्व विधान परिषद, सोरांव मण्डल अध्यक्ष संजीव कुमार द्विवेदी अति विशिष्ट अतिथि रूप में मौजूद थे। माननीय विधायक फाफामऊ श्री गुरु प्रसाद मौर्य ने उपस्थित लोगों को विभिन्न सरकारी योजनाओं की विस्तृत जानकारी तथा आवेदन प्रक्रिया, पात्रता एवं लाभ प्राप्त करने की पूरी प्रक्रिया से भी के बारे में बताया। कार्यक्रम में प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम , मुख्यमंत्री ग्रामोद्योग रोजगार योजना, मुख्यमंत्री माटीकला ग्रामोद्योग रोजगार योजना तथा माटीकला टूल्सकिट योजना सहित कई महत्वपूर्ण योजनाओं की जानकारी दी गई। साथ ही स्वरोजगार एवं उद्यमिता को बढ़ावा देने के लिए लाभार्थियों का मार्गदर्शन भी किया गया। इस कार्यक्रम का आयोजन जिला खादी एवं ग्रामोद्योग अधिकारी, प्रयागराज मण्डल द्वारा किया गया। विभाग ने अधिक से अधिक ग्रामीण युवाओं, महिलाओं और बेरोजगार अभ्यर्थियों से कार्यक्रम में शामिल होने तथा रोजगारपरक योजनाओं का लाभ उठाने की अपील की। कार्यक्रम के दौरान जिला खादी एवं ग्रामोद्योग अधिकारी जवाहर लाल, सुनील कुमार, हिमांशु यादव, अभिषेक त्रिपाठी एवं महेश,राम लाल सहित विभाग के अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहें।

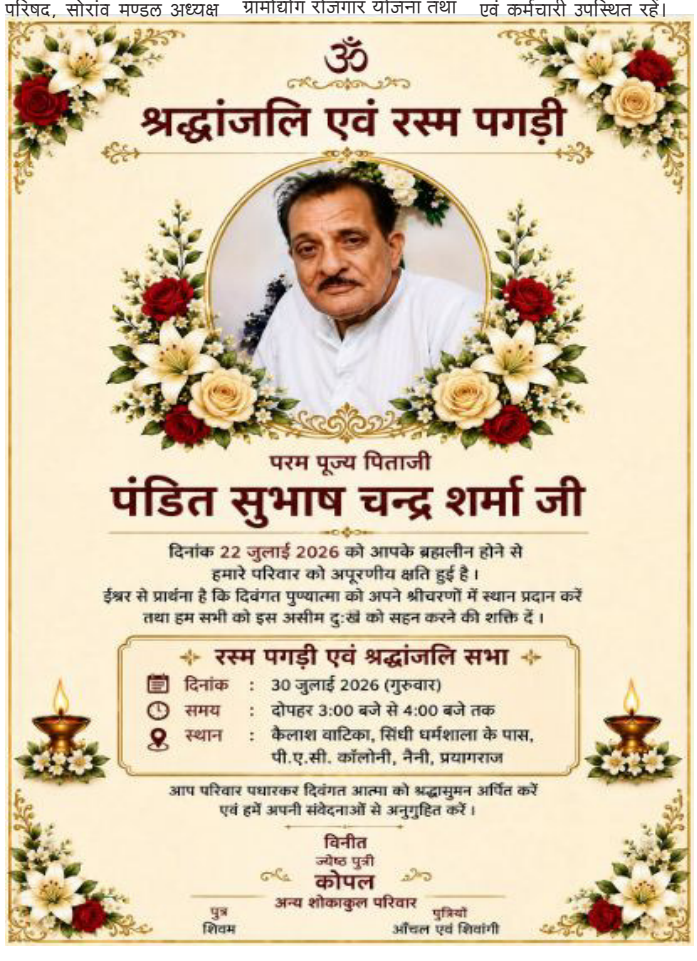

उत्तर प्रदेश खाद्य प्रसंस्करण उद्योग नीति-2023 से निवेश, उद्यमिता और रोजगार को मिल रही नई गति- केशव प्रसाद मौर्य

खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्र में रोजगार और किसानों की आय बढ़ाने का सशक्त माध्यम है आधुनिक पैकेजिंग,फूड पैकेजिंग एवं लेबलिंग पर कार्यशाला का आयोजन, एफएसएसएआई मानकों और निर्यात गुणवत्ता पर विशेषज्ञों ने किया मार्गदर्शन

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने कहा है कि खाद्य प्रसंस्करण के क्षेत्र में रोजगार एवं स्वरोजगार की अपार संभावनाएं हैं। प्रदेश सरकार किसानों, युवाओं एवं उद्यमियों की आय बढ़ाने के उद्देश्य से खाद्य प्रसंस्करण उद्योग को निरंतर प्रोत्साहित कर रही है। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश खाद्य प्रसंस्करण उद्योग नीति-2023 इस दिशा में वरदान साबित हो रही है, जिसके परिणामस्वरूप प्रदेश में खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्र में निवेश लगातार बढ़ रहा है तथा नए-नए आयाम स्थापित हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि प्रसंस्कृत खाद्य पदार्थों की बेहतर पैकेजिंग एवं प्रभावी ब्रांडिंग से उत्पादों की गुणवत्ता, बाजार में स्वीकार्यता तथा निर्यात क्षमता में उल्लेखनीय वृद्धि होती है, इसलिए सरकार इस क्षेत्र पर विशेष ध्यान दे रही है। उप मुख्यमंत्री श्री केशव प्रसाद मौर्य के निर्देशों के क्रम में कृषकों, एफपीओ, खाद्य प्रसंस्करण उद्यमियों एवं छात्र-छात्राओं में खाद्य पदार्थों की पैकेजिंग एवं लेबलिंग के महत्व के प्रति जागरूकता उत्पन्न करने के उद्देश्य से क्षेत्रीय खाद्य अनुसंधान एवं विश्लेषण केन्द्र (आर-फ्रैंक), खाद्य प्रसंस्करण विभाग, उद्यान भवन परिसर, 2-सप्रू मार्ग, लखनऊ में शनिवार को 'फूड पैकेजिंग एंड लेबलिंग रेगुलेशन' विषयक कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में सहायक आयुक्त, खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन, लखनऊ श्री वी.के. पाण्डेय ने भारतीय खाद्य सुरक्षा एवं मानक प्राधिकरण (एफएसएसएआई) के

विनियमों पर विस्तृत जानकारी देते हुए खाद्य उत्पादों के विनिर्माण, पैकेजिंग, लेबलिंग तथा खाद्य सुरक्षा मानकों के अनुपालन संबंधी महत्वपूर्ण प्रावधानों से प्रतिभागियों को अवगत कराया। मुख्य खाद्य सुरक्षा अधिकारी, गोण्डा एम.पी. सिंह ने खाद्य उत्पादों की लेबलिंग, अनिवार्य घोषणाओं, उपभोक्ता हितों तथा नियामकीय आवश्यकताओं पर विस्तार से प्रकाश डाला। बी.बी.ए.यू., लखनऊ के डॉ. आशीष जाटव ने अनुसंधान आधारित खाद्य पैकेजिंग, आधुनिक पैकेजिंग तकनीकों तथा एक्सट्रूडेड खाद्य उत्पादों की वैज्ञानिक एवं तकनीकी विशेषताओं की जानकारी दी। वहीं भारतीय पैकेजिंग संस्थान, लखनऊ की डॉ. प्रज्ञा गुप्ता ने खाद्य उत्पादों के निर्यात, अंतरराष्ट्रीय गुणवत्ता मानकों, निर्यात पैकेजिंग आवश्यकताओं तथा वैश्विक बाजार में प्रतिस्पर्धात्मकता बढ़ाने के उपायों पर विस्तृत व्याख्यान दिया। डॉ. अनिरुद्ध कुमार ने खाद्य उत्पादों के वैज्ञानिक विनिर्माण, प्रसंस्करण, सुरक्षित पैकेजिंग एवं गुणवत्ता नियंत्रण के विभिन्न पहलुओं पर विशेषज्ञ जानकारी साझा की। कार्यशाला के दौरान आर-फ्रैंक के निदेशक डॉ. हरीश कुमार ने मुख्य एवं विशिष्ट अतिथियों का पुष्पगुच्छ एवं स्मृति चिन्ह भेंट कर स्वागत एवं सम्मान किया। कार्यक्रम में गोरखपुर, वाराणसी, कानपुर, बस्ती, एटा, प्रयागराज, गाजीपुर, रायबरेली तथा लखनऊ सहित विभिन्न जनपदों से आए कृषकों, एफपीओ प्रतिनिधियों, खाद्य प्रसंस्करण उद्यमियों, अभ्यर्थियों एवं विश्वविद्यालयों के छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। कार्यक्रम के अंत में डॉ. हरीश कुमार ने सभी अतिथियों, विशेषज्ञ वक्ताओं एवं प्रतिभागियों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कार्यशाला का समापन किया। कार्यशाला के सफल आयोजन में आर-फ्रैंक के अधिकारियों एवं कर्मचारियों श्रीमती रंजना प्रकाश, श्री सतीश जैन, श्री शुभम, डॉ. प्रियंका, श्रीमती ज्योति, कु. रूनझुन, कु. अमरीन तथा कु. पारुल सहित अन्य कर्मचारियों का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

अंतिम संस्कार के 3 दिन बाद पति जिंदा लौटा

औरैया। औरैया में डेढ़ साल से लापता जिस युवक को मरा हुआ समझकर परिवार ने तीन दिन पहले अंतिम संस्कार कर दिया था, वह शनिवार रात अचानक घर लौट आया। मामला अजीतमल कोतवाली क्षेत्र के सैदपुर गांव का है। दरअसल, पत्नी से विवाद के बाद वह डेढ़ साल पहले घर छोड़कर चला गया था। काफी तलाश के बाद भी उसका कोई सुराग नहीं मिला तो परिजनों ने गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज करा दी। तीन दिन पहले पुलिस को एक सड़ा-गला शव मिला। सूचना मिलने पर उसके भाई ने कपड़ों और कद-काठी के आधार पर शव की पहचान कमल के रूप में की। इसके बाद पुलिस ने शव परिजनों को सौंप दिया और परिवार ने उसका अंतिम संस्कार भी कर दिया। कहानी में मोड़ तब आया, जब पत्नी ने अपने पुराने मोबाइल में आई अज्ञात कॉल्स में से एक नंबर पर कॉल बैक किया। दूसरी तरफ से आवाज उसके लापता पति कमल की थी।

पकड़ा गया अवैध स्लाटर हाउस, चापड़-चाकू भी मिले- 9 गिरफ्तार, एक मुठभेड़ में जख्मी

प्रयागराज। प्रयागराज के नैनी में शुक्रवार को एक अवैध स्लॉटर हाउस पकड़ा गया। सूचना पर पुलिस ने छापा मारा। एक कमरे में गोवंश के कटे हुए अवशेष के साथ चाकू, चापड़, तमंचा व कारतूस बरामद हुए। मौके से आठ लोगों को पकड़ा गया। बाद में एक आरोपी मुठभेड़ में गिरफ्तार किया गया। मामला लोकपुर मोहल्ले के कांशीराम कॉलोनी का है। विहिप के गौरक्षा प्रांत मंत्री लाल मणि तिवारी ने बताया कि संगठन को पिछले कई दिनों से काशीराम कॉलोनी में गौहत्या कर मांस बेचने की शिकायतें मिल रही थीं। इसके बाद उन्होंने पुलिस उपायुक्त यमुनानगर को सूचना दी। सूचना के आधार पर एसओजी, नैनी थाना पुलिस और एसीपी करछना के नेतृत्व में भारी पुलिस बल ने इलाके की

घेराबंदी कर कार्रवाई की। विहिप के अनुसार, पुलिस और संगठन के कार्यकर्ताओं ने कॉलोनी के एक खाली पड़े कमरे की तलाशी शुरू की। आरोप है कि इस दौरान वहां मौजूद लोगों ने पुलिस टीम पर फायरिंग कर भागने का प्रयास किया। पुलिस ने पीछा कर 8 लोगों को पकड़ लिया। कमरे के भीतर एक गाय के अवशेष मिले, जिसे काटा जा रहा था। मौके से चाकू, चापड़, अवैध कट्टा और कारतूस भी बरामद किए गए। लाल मणि तिवारी ने कहा कि गौहत्या की घटनाएं किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं की जाएंगी। डीसीपी बोले- नौ अरेस्ट, एक मुठभेड़ में पकड़ा गया डीसीपी यमुनानगर विवेक चंद्र यादव ने बताया कि मौके से नौ लोगों को गिरफ्तार किया गया। एक आरोपी .मो0 आमिर भोर में मुठभेड़ में पकड़ा गया। लोकपुर इलाके में ही उसके होने की सूचना पर पुलिस ने दबिश दी तो वह फायरिंग करने लगा। जवाबी फायरिंग में वह जख्मी हुआ, जिसे अस्पताल भेजा गया है। उन्होंने जिला प्रशासन से काशीराम कॉलोनी में रहने वाले लोगों के आवंटन और पहचान की जांच कराने व अवैध रूप से रहने और आपराधिक गतिविधियों में संलिप्त पाए जाने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि प्रशासन कार्रवाई नहीं करता है तो संगठन आंदोलन करेगा। विहिप के अनुसार, कार्रवाई के दौरान संगठन और बजरंग दल के कई पदाधिकारी, जिनमें शुभम कुशवाहा, अमित मिश्रा, नीरज यादव, कृष्ण श्रीवास्तव, धर्मेंद्र, आकाश अग्रहरि, अभिषेक सिंह और शिवम शाश्वत समेत अन्य कार्यकर्ता पूरी रात घटनास्थल पर मौजूद रहे।

INDIAN SECURITY AND MANPOWER SERVICI

ADDRESS- Naini,Prayagraj U.P-211008. PAN No. ABJPA1540R,Reg.No.03-0068604

Regd. Under Additional Director General of Police U.P. vide Reg. No. 2453
+91-7985619757,+91-7007472337

We Are Providing Security & Manpower Services in School/ University/Institute/ Hospital/Office Premises

INDIAN SECURITY AND MANPOWER SERVICES:-
takes great pleasure in Providing Security arrangement and Office Staff for your Organization premises. We have with us talented and well trained Disciplined persons, each having exposure to industrial/commercial security and intelligence knowledge in their field. Our personnel's are physically fit, courageous disciplined and well trained in their field. They are bold but polite, peace loving but not coward, friendly but shrews while duty, sharp in act but very claim and affable where presence of mind is lost by the common man, ailing but smelling the red hounds, work in the common climate but vigilant and faithfully to the organization. It is on account of the above trait that our services are engaged by reputed organization which consists of Schools, University, Banks, Government, industrial Concern, Hotels, Hospitals, Educational Institutes, Housing Societies/Bungalows, Semi Government and Government Organization.

INDIAN SECURITY AND MANPOWER SERVICES is registered by:-

Additional Director General of Police, (Law & Order), Deputy Labour Commissioner, Employees Provident Fund Organization, Employees State Insurance Corporation, Goods & Services Tax, MSME Registration..(Govt. of India)

FOR JOB CONTACT:- 9569430885

INDIAN SECURITY AND MANPOWER SERVICES Manpower Category:-
Assignment Manager, Housekeeping Manager, Assignment Supervisor, Housekeeping Supervisor, Accountant, Driver, Computer Operator, Electrician, Data Entry operator, Carpenter, Clerk, Office Boy, M.T.S, Sweeper, Peon, Gardner, Computer Teacher, Agriculture Labour, TGT & PGT Teacher, Quality/Technical Manpower as per your requirement

एसजीपीजीआई ने रचा इतिहासः भारत की सबसे कम उम्र की छह वर्षीय बच्ची की सफल रोबोटिक थायरॉयड सर्जरी

(आधुनिक समाचार नेटवर्क)

लखनऊ। संजय गांधी स्नातकोत्तर आयुर्विज्ञान संस्थान, लखनऊ के डॉक्टरों ने शनिवार को छह वर्षीय बच्ची की सफल रोबोटिक थायरॉयड सर्जरी कर एक नया कीर्तिमान स्थापित किया है। यह भारत में अब तक की सबसे कम उम्र की मरीज है, जिसकी इस तकनीक से थायरॉयड सर्जरी की गई है। इस सर्जरी का नेतृत्व प्रो. (डॉ.) ज्ञान चंद और उनकी एंडोक्राइन एवं ब्रेस्ट सर्जरी विभाग की टीम ने किया। विश्व स्तर पर अब तक सबसे कम उम्र की मरीज, जिसकी रोबोटिक थायरॉयड सर्जरी की गई है, दक्षिण कोरिया की पांच वर्षीय बच्ची है। बच्ची को थायरॉयड ग्रंथि में एक गांठ के इलाज के लिए एसजीपीजीआई लाया गया था। सामान्य सर्जरी में गर्दन पर चीरा लगाना पड़ता है, लेकिन रोबोटिक सर्जरी में बगल और छाती में छोटे-छोटे चीरे लगाए जाते हैं। इससे गर्दन पर कोई निशान दिखाई नहीं देता। साथ ही, रोबोटिक तकनीक से डॉक्टरों को शरीर के अंदर का हिस्सा अधिक स्पष्ट दिखाई देता है, जिससे सर्जरी और अधिक सटीकता से की जा सकती है। सर्जरी पूरी तरह सफल रही और बच्ची तेजी से स्वस्थ हो रही है। प्रो. (डॉ.) ज्ञान चंद ने कहा, 'यह भारत में रोबोटिक एंडोक्राइन सर्जरी के क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। छह वर्ष की बच्ची में इस प्रकार की सर्जरी करना चुनौतीपूर्ण था, क्योंकि छोटे बच्चों में विशेष योजना और तकनीकी बदलावों की आवश्यकता होती है। हमें खुशी है कि सर्जरी सफल रही और बच्ची पूरी तरह से स्वस्थ है।' उन्होंने कहा, 'रोबोटिक सर्जरी का सबसे बड़ा लाभ यह है कि यह अधिक सटीक होती है और मरीज की गर्दन पर कोई बड़ा निशान नहीं छोड़ती। बच्चों के लिए यह एक महत्वपूर्ण लाभ है। यह उपलब्धि साबित करती है कि अनुभवी टीम और सही मरीज के चयन के साथ उन्नत रोबोटिक सर्जरी छोटे बच्चों में भी सुरक्षित रूप से की जा सकती है।' प्रो. (डॉ.) ज्ञान चंद ने इस सफलता का श्रेय पूरी सर्जिकल टीम को दिया। टीम में सहायक असिस्टेंट प्रोफेसरस डॉ. रिनेल मैस्करेनहास और डॉ. प्राची कृष्णात्रेय, सीनियर रेजिडेंटस डॉ. मिथलेश वांचू एवं डॉ. अजरा तस्नीम शामिल थे। एनेस्थीसिया टीम का नेतृत्व डॉ. सुजीत गौतम ने किया था। इसके अलावा नर्सिंग टीम के श्री मनोज, श्रीमती वंदना, श्रीमती लिजी, श्रीमती नीलम तथा ऑपरेशन थिएटर की पूरी टीम ने इस सफलता में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। एसजीपीजीआई के निदेशक प्रो. (डॉ.) आर. के. धीमन तथा एंडोक्राइन एवं ब्रेस्ट सर्जरी विभाग के अध्यक्ष प्रो. (डॉ.) गौरव अग्रवाल ने पूरी टीम को इस उपलब्धि पर बधाई दी। इस सफलता के साथ भारत उन चुनिंदा देशों की सूची में शामिल हो गया है, जहां इतनी कम उम्र के बच्चे की सफल रोबोटिक थायरॉयड सर्जरी की गई है। यह उपलब्धि देश में उन्नत रोबोटिक एवं बाल शल्य चिकित्सा के क्षेत्र में बढ़ती विशेषज्ञता का प्रतीक मानी जा रही है।

खाद की है पर्याप्त उपलब्धता, तकनीकी समस्या जल्द होगी दूर, वितरण संबंधी शिकायतों को लेकर डीएम सख्त

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। खरीफ सीजन में किसानों को खाद की उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए प्रदेश की योगी सरकार ने व्यापक इंतजाम किए हैं। सरकार के निर्देश पर जनपद सोनभद्र की सहकारी समितियों और अधिकृत खाद केंद्रों पर पर्याप्त मात्रा में उर्वरकों का भंडारण कराया गया है, ताकि धान सहित अन्य खरीफ फसलों की बुवाई के दौरान किसानों को किसी प्रकार की परेशानी का सामना न करना पड़े। जिलाधिकारी चर्चित गौड़ ने बताया कि प्रदेश सरकार किसानों की आय बढ़ाने के उद्देश्य से खेती-किसानी को हर स्तर पर मजबूत बनाने के लिए लगातार कार्य कर रही है। इसी क्रम में खरीफ सीजन के लिए यूरिया, डीएपी और एनपीके उर्वरकों की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित की गई है। उन्होंने कहा कि किसानों को खाद के लिए भटकना न पड़े, इसके लिए सभी सहकारी समितियों एवं निजी उर्वरक विक्रेताओं पर नियमित निगरानी रखी जा रही है। जिलाधिकारी ने बताया कि खरीफ फसल के लिए जनपद में यूरिया का कुल 11156 व फास्फेटिक का कुल 5697 मीट्रिक टन वितरण का लक्ष्य है। जबकि जुलाई माह में 3459 मीट्रिक टन यूरिया व 2894 मीट्रिक टन फास्फेटिक का वितरण करने का लक्ष्य है जिसके सापेक्ष 3315 मीट्रिक टन यूरिया व 3605 मीट्रिक टन फास्फेटिक का वितरण किया जा चुका है। बिक्री केंद्रों में 1168 मीट्रिक टन यूरिया व 1553 मीट्रिक टन फास्फेटिक का स्टाक है जबकि 4563 मीट्रिक टन यूरिया व 1535 मीट्रिक टन फास्फेटिक का बफर स्टॉक पीसीएफ है। उन्होंने बताया कि खाद वितरण के दौरान कुछ स्थानों पर तकनीकी खामी की सूचना मिली थी, जिस पर तत्काल संज्ञान लेते हुए संबंधित अधिकारियों को समस्या का शीघ्र समाधान करने के निर्देश दिए गए हैं। साथ ही वितरण व्यवस्था को सुचारु एवं पारदर्शी बनाए रखने के लिए सभी संबंधित विभागों को सतर्क रहने के निर्देश दिए गए हैं, ताकि किसी भी किसान को अनावश्यक परेशानी न उठानी पड़े। अधिकारी समितियों का नियमित करें निरीक्षण-जिलाधिकारी चर्चित गौड़ ने अधिकारियों को निर्देशित किया है कि सभी सहकारी समितियों और उर्वरक विक्रेताओं पर नियमित निरीक्षण किया जाए तथा यह सुनिश्चित किया जाए कि खाद का वितरण निर्धारित नियमों के अनुसार हो। यदि कहीं कृत्रिम अभाव पैदा करने, कालाबाजारी या ओवररेटिंग की शिकायत मिलती है तो संबंधित के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने जनपद के किसानों से अपील की कि वे किसी भी अफवाह पर ध्यान न दें और आवश्यकता के अनुसार निकटतम सहकारी समिति या अधिकृत खाद केंद्र से ही उर्वरक प्राप्त करें। उन्होंने कहा कि सरकार किसानों के हितों के प्रति पूरी तरह संवेदनशील है खरीफ सीजन के दौरान खाद की किसी प्रकार की कमी नहीं होने दी जाएगी।

महिला कल्याण विभाग द्वारा संचालित वन स्टाप सेन्टर का निरीक्षण एवं विधिक जागरूकता शिविर का आयोजन

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। उ0प्र0 राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के निर्देशों के अनुसार एवं माननीय जनपद न्यायाधीश, अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, सोनभद्र के आदेशानुसार दिनांक 25.07.2026 को अपरान्ह महिला कल्याण विभाग द्वारा संचालित वन स्टाप सेन्टर का निरीक्षण एवं विधिक जागरूकता शिविर का आयोजन श्री राहुल सिविल जज सी0डि0/सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, सोनभद्र द्वारा किया गया। निरीक्षण के दौरान वन स्टाप सेन्टर की केन्द्र प्रबन्धक दीपिका सिंह उपस्थित थी तथा अधीक्षिका पुष्पांजली अवकाश पर थी एवं अन्य समस्त स्टाप उपस्थित पाये गये। निरीक्षण के समय राजकीय दत्त ग्रहण इकाई सोनभद्र में 1 बच्ची 6 माह 12 दिन की हैए जो कि लीगल फ्री हो चुकी हैए आवासित पायी गयी। जिसकी देख-रेख एवं खान-पान का विशेष ध्यान रखने हेतु निर्देशित किया गया। वन स्टाप सेन्टर में साफ-सफाई पायी गयी तथा सभी पंजिकाएं अवलोकन हेतु प्रस्तुत की गयी जो अद्यतन स्थिति में पायी गयी। वन स्टाप सेन्टर में उपस्थित समस्त स्टाप को नैतिक व्यापार निवारण अधि0 1956, घरेलू हिसां से महिला संरक्षण अधि0 2005, दहेज प्रतिषेध अधि0 1961, गर्भ का चिकित्सीय समापन अधि0 1971, मातृत्व लाभ अधि0 1961-26 सप्ताह तक, कार्यस्थल पर महिलाओं के साथ यौन उत्पीड़न (रोकथाम, निषेध और निवारण) अधि0 2013, लैंगिंक अपराधो से बालको का संरक्षण अधि0 2012, गर्भधारक पूर्ण एवं प्रसव पूर्ण निदान तकनीकी (लिंग चयन प्रतिषेध) अधि0 1994, समान पारिश्रमिक अधि0 1976, महिलाओं का अशिष्ट चित्रण (निषेध) अधि0 1966, हिन्दू उत्राधिकार अधि0 1956' के संबंध में एवं नालसा द्वारा चलायी जा रही सभी स्कीमों यथा DAWN Unit, ASHA Unit, SAMVAD Unit and JAGRITI Unit के बारे भी जानकारी दी गई एवं उन्हे निर्देशित किया गया कि जनपद में विभिन्न स्थानों पर जागरूकता शिविर लगाकर उक्त कानूनों के बारे कृत कार्यवाही कर जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, सोनभद्र अवगत करायें। इसके साथ साथ सिविल जज सी0डि0/सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, सोनभद्र द्वारा जनपद सोनभद्र में समाज कल्याण विभाग द्वारा संचालित वृद्धाश्रम का निरीक्षण तथा विधिक जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। निरीक्षण के दौरान वृद्धाश्रम के समस्त कर्मचारीगण उपस्थित रहे एवं वृद्धाश्रम में कुल 52 वृद्ध उपस्थित पाये गये। उपस्थित वृद्धजनों को उनके अधिकार के सन्दर्भ में बताते हुए कहा गया कि ढलती उम्र की समस्याओं की गंभीरता को महसूस करते हुए भारत सरकार ने इनसे निपटने के लिए कई नीतियां और योजनाएं बनायी है।

सरकार वयोवृद्धता से संबंधित मैड्रिड अन्तर्राष्ट्रीय कार्य योजना सहित वयोवृद्धता के बारे मे विभिन्न अंतर्राष्ट्रीय कार्य योजनाओं के क्रियान्वयन के लिए भी प्रतिबद्ध है। अभिभावकों और वरिष्ठ नागरिकों के कल्याण से संबंधित कानून 2014, इस कानून मे माता-पिता/दादा-दादी को उनके बच्चों से आवश्यकतानुसार गुजारा भत्ता दिलवाने की व्यवस्था है तथा वरिष्ठ नागरिकों के भरण-पोषण एवं कल्याण अधिनियम 2007 के प्रावधानों एवं शासन द्वारा वृद्धावस्था पेंशन व चिकित्सा संबंधी योजनाओं के संबंध में जागरूक किया गया। यह जानकारी श्री राहुल, सिविल जज, सी0डि0/सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, जनपद सोनभद्र द्वारा दी गयी।

रेशम उत्पादन एवं आय अर्जित करने हेतु सुझाव आमंत्रित

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। दिनांक 25-07-2026 को समय 1:00 बजे अपरान्ह में पूर्वनिर्धारित कार्यक्रमानुसार 'बनवासी सेवाश्रम, गोविंदपुर, म्योरपुर, सोनभद्र' में केंद्रीय रेशम बोर्ड (सेंट्रल सिल्क बोर्ड) के तत्वावधान में राज्य रेशम विभाग(स्टेट सेरीकल्चर डिपार्टमेंट) के सहयोग से स्टेकहोल्डर्स सदस्यों को रेशम विभाग, सोनभद्र के सहायक निदेशक श्री नागेंद्र राम की उपस्थिति में परामर्श बैठक की गई। कार्यक्रम की अध्यक्षता संस्था प्रमुख सुश्री शुभा बहन के द्वारा किया गया। इसके अतिरिक्त रेशम से जुड़े कृषक सदस्यों एवं समितियों को लाभप्रद बनाये जाने हेतु सहकारिता विभाग के एडीसीओ अजय कुमार,एडीओ मनोज व सचिव क्रय-विक्रय सहकारी समिति दुद्दी दशरथ कुमार जायसवाल द्वारा विस्तृत जानकारी दी गयी। रेशम उत्पादन के संबंध में तकनीकी जानकारी डॉ.हरेंद्र कुमार यादव द्वारा दी गयी और उपस्थित प्रगतिशील कृषकों,जैसे- रामानंद,मोहन यादव,चंद्रदेव, विजय कुमार, नंदलाल,वीरशाह आदि से गुणवत्तापूर्ण रेशम उत्पादन एवं आय अर्जित करने हेतु सुझाव आमंत्रित किए गए। कार्यक्रम के अंत में बनवासी संस्था की अध्यक्षता द्वारा वैज्ञानिकों की फसल की अवधि में उपस्थिती, तकनीकी सावधानियां, कीटनाशक उपचार एवं अन्य गंभीर पहलुओं पर महत्वपूर्ण सुझाव दिया गया। श्री आशुतोष कुमार(सहायक निदेशक, रेशम निदेशालय-लखनऊ) व डॉ. देवाशीष चट्टोपाध्याय(वैज्ञानिक केंद्रीय रेशम विभाग), श्री सूबेदार (एसडीओ,रेशम विभाग) ने भी कृषको को सम्बोधित किया और बहुमूल्य सुझाव दिया। कार्यक्रम के अंत में सहायक रेशम विकास अधिकारी पंकज कुमार द्वारा सभी उपस्थित कृषक बंधुओं,अतिथियों को हार्दिक धन्यवाद ज्ञापित किया गया।

1098 चाइल्ड हेल्पलाइन की सूचना पर सोनभद्र में बाल विवाह रोककर 2 नाबालिगों का रेस्क्यू

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। 1098 चाइल्ड हेल्पलाइन पर प्राप्त सूचना का संज्ञान लेते हुए मुकेश कुमार सिंह, परियोजना समन्वयक, चाइल्ड हेल्पलाइन द्वारा टीम गठित कर मौके पर तत्काल कार्यवाही हेतु भेजा गया। सूचना के आधार पर ग्राम नौडिहा, थाना कोन में होने वाले बाल विवाह को समय रहते रोक दिया गया। वन स्टॉप सेंटर, सोनभद्र की केस वर्कर अनुराधा जायसवाल एवं चाइल्ड हेल्पलाइन के केस वर्कर रविन्द्र की संयुक्त टीम द्वारा मौके पर पहुंचकर बालिका एवं बालक दोनों का रेस्क्यू किया गया। जांच में दोनों नाबालिग पाए गए। सीडब्लूसी के निर्देशों के अनुसार रात्रि संरक्षण हेतु बालिका को बाल गृह, बालिका में आवासित किया गया है। वहीं बालक को चाइल्ड हेल्पलाइन में अस्थायी संरक्षण में रखा गया है। आगे की विधिक कार्रवाई नियमानुसार की जा रही है। चाइल्ड हेल्पलाइन की अपील है कि यदि कहीं भी बाल विवाह या बाल शोषण से संबंधित कोई सूचना मिले तो तुरंत 1098 हेल्पलाइन नंबर पर संपर्क करें। सूचना देने वाले व्यक्ति का नाम, पता एवं मोबाइल नंबर पूर्णतः गोपनीय रखा जाएगा।

NAINI INDUSTRIAL TRAINING CENTRE
कौशलं बलम्
NAINI ALLAHABAD
(Govt. Affiliated, Star Graded, Record Holder, ISO Certified Training Centre)
सर्टिफिकेट इन फायर सेफ्टी एण्ड इण्डस्ट्रीयल सिक्योरिटी
फायर सेफ्टी पर जिसकी कमाण्ड, उसकी ही है ग्लोबल डिमाण्ड
कोर्स के बाद सेफ्टी सुपरवाइजर, फायर प्रोटेक्शन, सिक्योरिटी एडमिनिस्ट्रेटर आदि विभिन्न पदों पर नियुक्ति मिल जाती है। रिलीफ एजेन्सी N.G.O., डिफेन्स सर्विसेज फायर सर्विस आर्डिनेन्स फैक्ट्री, महानगर पालिका, नगर निगम, एयरपोर्ट, पावर प्लांट, स्टील प्लान्ट, माइनिंग इन्डस्ट्रीज, पेट्रोलियम कम्पनी, फूड इण्डस्ट्रीज, रिफाइनरीज, टेक्सटाइल मिल, टावर कम्पनी, इलेक्ट्रानिक कम्पनी, कोयले की खदानों एवं जहाजों आदि क्षेत्रों में फायर सेफ्टी के जानकारों को बहुत अधिक मौका मिलता है

नोटः फायर सेफ्टी कोर्स करें और देश -विदेश, सरकारी और प्राइवेट क्षेत्रों में अच्छे पैकेज के साथ नौकरी पायें।
Visit us at www.nainiiti.com Call: 9415608710, 7459860480
Enjoy Publicity

लॉन बॉल्स में पुतुल की लगातार दूसरी जीत, बॉक्सिंग में जादुमणि राउंड ऑफ 16 में,पैरा पावरलिफ्टिंग में भारत को नहीं मिला मेडल

स्पोर्ट्स डेस्क। ग्लासगो कॉमनवेल्थ गेम्स के दूसरे दिन

पैरा पावरलिफ्टिंग में भारत का खाता नहीं खुल सका। पुरुष लाइटवेट वर्ग में नौ बार के राष्ट्रीय चैंपियन अशोक कुमार मलिक चौथे और परमजीत कुमार सातवें स्थान पर रहे। महिला लाइटवेट वर्ग में भी भारत पदक से चूक गया, जहां जसप्रीत कौर छठे और सुमन देवी सातवें स्थान पर रहीं। हालांकि दिन के अंत में भारत को बॉक्सिंग और लॉन बॉल्स से अच्छी खबर मिली। जादुमणि सिंह ने पुरुष 55 किग्रा वर्ग के राउंड ऑफ-32 में स्कॉटलैंड के आरोन कुलेन को 5-0 से हराकर अगले दौर में जगह बनाई। पुतुल सोनोवाल ने लॉन बॉल्स के पुरुष सिंगल्स में लगातार दूसरी जीत दर्ज की। पैरा स्विमिंग में कार्तिक (आरवीवीबीके) बुडिगिना और अली इमाम फाइनल में पहुंच गए, वहीं श्रीहरि नटराज ने 50 मीटर बैकस्ट्रोक के सेमीफाइनल के लिए क्वालिफाई किया। जादुमणि

ने 5-0 से जीता मुकाबला-भारत के 21 साल के मुक्केबाज जदुमणि सिंह ने पुरुष 55 किग्रा वर्ग के राउंड ऑफ-32 मुकाबले में मेजबान स्कॉटलैंड के आरोन कुलेन को एकतरफा अंदाज में 5-0 से हराया। सभी जजों ने तीनों राउंड भारत के पक्ष में दिए और जदुमणि ने अगले दौर में जगह बना ली। लॉन बॉल्स में भारत की दोहरी जीत-महिला पेयर्स स्पर्धा में रूपा रानी तिर्की और पिंकी की जोड़ी ने दक्षिण अफ्रीका को 2-0 से हराकर लगातार दूसरी जीत दर्ज की। इसके बाद पुरुष सिंगल्स में पुतुल सोनोवाल ने फॉकलैंड आइलैंड्स के सेसिल अलेक्जेंडर को टाईब्रेकर में 7-5, 6-8, 1-0 से हराया। यह उनकी भी ग्रुप चरण में लगातार दूसरी जीत रही। महिला पैरा पावरलिफ्टिंग में भी मेडल नहीं मिला-महिला लाइटवेट वर्ग में जसप्रीत कौर ने पहले प्रयास में 98 किलोग्राम और तीसरे प्रयास में 100 किलोग्राम वजन सफलतापूर्वक उठाया। उन्होंने 96.4 अंक हासिल किए, लेकिन छठे स्थान से आगे नहीं बढ़ सकीं। सुमन देवी ने पहले प्रयास में 100 किलोग्राम वजन उठाया, लेकिन 103 किलोग्राम के अगले दोनों प्रयास असफल रहे। वह 88.4 अंक के साथ सातवें स्थान पर रहीं। नाइजीरिया की एस्थर न्वोरगु ने गेम्स रिकॉर्ड के साथ गोल्ड मेडल जीता। अशोक चौथे,

परमजीत सातवें स्थान पर रहे- पुरुष लाइटवेट वर्ग में अशोक कुमार मलिक ने दूसरी कोशिश में 200 किलोग्राम की पर्सनल बेस्ट लिफ्ट लगाई और 143.8 अंक हासिल किए। हालांकि 205 किलोग्राम की तीसरी कोशिश में वह सफल नहीं हो सके और चौथे स्थान पर रहे। परमजीत कुमार ने पहली कोशिश में 176 किलोग्राम वजन उठाया, लेकिन 179 किलोग्राम के अगले दोनों प्रयास असफल रहे। वह 135.6 अंक के साथ सातवें स्थान पर रहे। पुरुष लाइटवेट वर्ग में इंग्लैंड के मार्क स्वान और नाइजीरिया के रोलैंड एजुरुइके ने 153.9 अंक हासिल किए, जबकि मलेशिया के बॉनी गस्टिन 153.5 अंक के साथ तीसरे स्थान पर रहे। अशोक 143.8 अंक के साथ चौथे स्थान पर रह गए। जिम्नास्टिक्स में भारत की उम्मीद बरकरार-आर्टिस्टिक जिम्नास्टिक्स के सब-डिवीजन-2 के बाद तपन मोहंती ऑलराउंड में तीसरे और योगेश्वर सिंह चौथे स्थान पर हैं। भारतीय टीम 208.550 अंक के साथ टीम स्टैंडिंग में शीर्ष पर है। हालांकि टीम और व्यक्तिगत फाइनल का फैसला सब-डिवीजन-3 के मुकाबलों के बाद होगा। पैरा स्विमिंग में दो भारतीय फाइनल में-स्विमिंग में श्रीहरि नटराज ने 50 मीटर बैकस्ट्रोक हीट में 25.52 सेकेंड का समय निकाला। वह अपनी हीट में पांचवें और ओवरऑल 14वें स्थान पर रहे, जिससे उन्होंने सेमीफाइनल में जगह बना ली। उनका मुकाबला देर रात करीब 12:30 बजे होगा। पैरा स्विमिंग में 18 वर्षीय कार्तिक बुडिगिना ने पुरुष 100 मीटर फ्रीस्टाइल एस13 हीट में 57.10 सेकेंड के साथ तीसरा स्थान हासिल किया। वहीं अली इमाम 1:05.32 मिनट के साथ आठवें रहे। इस स्पर्धा में कुल आठ तैराक होने के कारण दोनों भारतीय फाइनल में पहुंच गए हैं। फाइनल रात 12 बजे से खेला जाएगा। तूलिका मान बाहर हुईं-भारत को जूडो में बड़ा झटका लगा है। बर्मिंघम 2022 की सिल्वर मेडलिस्ट तूलिका मान को पिछले 12 महीनों में तीन बार 'वेयरअबाउट्स' नियम का उल्लंघन करने पर एनएडीए ने अस्थायी रूप से निलंबित कर दिया है। इसके चलते उन्हें ग्लासगो कॉमनवेल्थ गेम्स की भारतीय टीम से बाहर कर दिया गया है। उनसे पहले 73 किग्रा वर्ग के अरुण कुमार भी प्रतियोगिता से बाहर किए जा चुके हैं।

श्रीलंका टेस्ट सीरीज के लिए मंगलवार को भारतीय टीम की घोषणा हो सकती हैं

हरारे। श्रीलंका के खिलाफ 15 अगस्त से शुरू हो रही दो टेस्ट मैचों की सीरीज के लिए

भारतीय टीम का ऐलान मंगलवार तक हो सकता है। बीसीसीआई सचिव देवजीत सैकिया के मुताबिक, सिलेक्शन कमिटी वर्चुअल मीटिंग में शुभमन गिल की कप्तानी वाली टीम चुनेगी। सीरीज वर्ल्ड टेस्ट चैंपियंशिप 2025-27 का हिस्सा है। पहला टेस्ट 15 अगस्त से गॉल में और

दूसरा टेस्ट 23 अगस्त से कोलंबो में खेला जाएगा। इसके लिए टीम कोलंबो में 4-दिवसीय वार्म-अप मैच भी खेलेगी। हरारे के इंडिया हाउस में भारतीय टीम का स्वागत, उच्चायुक्त ने दिया रात्रिभोज-जिम्बाब्वे दौरे पर गई भारतीय टी20 टीम के सम्मान में जिम्बाब्वे में भारत के राजदूत ब्रह्मा कुमार ने हरारे स्थित इंडिया हाउस में स्वागत समारोह आयोजित किया। दूसरे टी-20 से एक दिन पहले हुए इस कार्यक्रम में कप्तान श्रेयस अय्यर, अंतरिम हेड कोच वीवीएस लक्ष्मण, खिलाड़ी और सपोर्ट स्टाफ शामिल हुए। राजदूत ब्रह्मा कुमार ने श्रेयस अय्यर और वीवीएस लक्ष्मण को पारंपरिक शॉल पहनाकर सम्मानित किया। खिलाड़ियों ने राजदूत के परिवार और भारतीय दूतावास के अधिकारियों से मुलाकात की। बीसीसीआई ने कार्यक्रम की तस्वीरें सोशल मीडिया पर साझा करते हुए इसे हरारे की यादगार शाम बताया। भारत फिलहाल तीन मैचों की टी-20 सीरीज में 1-0 से आगे है। पहले मुकाबले में भारत ने जिम्बाब्वे को 7 विकेट से हराया था। तेज गेंदबाज मयंक यादव और प्रिंस यादव ने 2-2 विकेट लिए, जबकि वैभव सूर्यवंशी ने 50 और ईशान किशन ने 35 रन बनाए। अब शनिवार को दूसरा टी20 जीतकर भारत के पास सीरीज अपने नाम करने का मौका है। कनाडा के ओंटारियो में चल रही वर्ल्ड जूनियर स्क्वॉश चैंपियनशिप में भारत की 16 साल की अनाहत सिंह फाइनल में पहुंच गई हैं। वह 2005 में जोशना चिनप्पा के बाद फाइनल खेलने वाली पहली भारतीय हैं। टॉप सीडेड अनाहत ने सेमीफाइनल में मिस्र की तीसरी/चौथी वरीय बार्ब समेह को 3-1 (11-3, 8-11, 11-4, 11-6) से हराया। अब फाइनल में उनका सामना मिस्र की दूसरी वरीय रुकैया सालेम से होगा। जीत मिलने पर अनाहत इस चैंपियनशिप का खिताब जीतने वाली पहली भारतीय बन जाएंगी। मैच के बाद अनाहत ने कहा, 'मैं बहुत खुश हूं, लेकिन काम अभी बाकी है। पहली बार फाइनल में पहुंचने से मेरे माता-पिता और कोच भी खुश हैं।' पिछले साल उन्होंने इस टूर्नामेंट में ब्रान्ज मेडल जीता था। एशियाई हॉकी5एस में पुरुष टीम ने ओमान और पाकिस्तान को हराया-ओमान के मस्कट में चल रही एफआईएच यूथ हॉकी5एस एशियन चैंपियनशिप में भारतीय टीमों ने शानदार प्रदर्शन किया। पुरुष टीम ने पहले मेजबान ओमान को 10-1 और फिर पाकिस्तान को 7-3 से हराकर फाइनल में जगह बनाई। अब शनिवार को खिताबी मुकाबले में उसकी फिर पाकिस्तान से भिड़ंत होगी। पाकिस्तान के खिलाफ भारत ने हाफ टाइम तक 3-0 की बढ़त बना ली थी। कप्तान केतन कुशवाहा ने दो गोल किए, जबकि रोमित पाल, करन गौतम, प्रहलाद राजभर, शाहरुख अली और राहुल यादव ने एक-एक गोल दागा। ओमान के खिलाफ केतन ने चार गोल किए। महिला टीम ने चीन से 3-6 की हार के बाद शानदार वापसी करते हुए उज्बेकिस्तान को 10-0 से हरा दिया। नौशीन नाज़ ने हैट्रिक लगाई, जबकि संदीप कुमारी ने दो गोल किए। भारत अब शनिवार को सेमीफाइनल में कजाकिस्तान से खेलेगा। यह टूर्नामेंट पहली बार होने वाले एफआईएच यूथ हॉकी5एस वर्ल्ड कप का एशियाई क्वालिफायर भी है। बेहतर प्रदर्शन करने वाली टीमें वर्ल्ड कप के लिए क्वालिफाई करेंगी। पैरा साइक्लिस्ट लीशा दास का बड़ा फैसलाः कॉमनवेल्थ गेम्स में नहीं पहनेंगी आधिकारिक जर्सी-ग्लासगो में होने वाले कॉमनवेल्थ गेम्स से पहले भारत की माइनर पैरा साइक्लिस्ट लीशा दास और खेल अधिकारियों के बीच विवाद गहरा गया है। लीशा ने साइकिलिंग फेडरेशन ऑफ इंडिया (सीएफए) को पत्र लिखकर आधिकारिक जर्सी पहनने, उनके होटल में रुकने और ट्रैवल सुविधाओं का इस्तेमाल करने से इनकार कर दिया है। उन्होंने फेडरेशन पर मानसिक प्रताड़ना का आरोप लगाया है।

विवाद की 5 वजह- कोच को एंट्री देने की मांगः लीशा ने दिल्ली हाईकोर्ट के आदेश का हवाला देते हुए अपने कोच आदित्य मेहता, तकनीशियन और फिजियो के लिए तुरंत एक्रिडिटेशन (पास) की मांग की है। पीसीआई को चेतावनीः पैरालंपिक कमेटी ऑफ इंडिया (पीसीआई) पर बिना इजाजत तस्वीरें इस्तेमाल करने का आरोप लगाया और लीगल एक्शन की चेतावनी दी। खुद उठाया रु12 लाख का खर्चः लीशा ने बताया कि ट्रेनिंग, कस्टमाइज्ड साइकिल और ग्लासगो में रहने का पूरा खर्च उन्होंने खुद उठाया है। अलग से करेंगी सफरः फेडरेशन ने कोच को छोड़कर बाकी लोगों के टिकट बुक किए थे, जिसे लीशा ने खारिज कर दिया। देश के लिए खेलेंगीः लीशा ने कहा कि वे भारत के लिए गर्व से खेलेंगी, लेकिन गलत सिस्टम का विरोध जारी रहेगा।

सऊदी में पर्पल-ग्रीन रंग के टेनिस सेंटर में होंगे 30 कोर्ट, 33 हजार दर्शकों की क्षमता और रिट्रैक्टेबल छत

रियाद। कभी टेनिस की सबसे बड़ी पहचान लंदन का विम्बलडन हुआ करता था। उसकी हरी-बैंगनी रंगत, घास

से ढका सेंटर कोर्ट और शाही अंदाज दुनिया भर के खिलाड़ियों और फैंस को आकर्षित करता है। अब उसी पहचान की झलक करीब 5,000 किलोमीटर दूर सऊदी अरब के रेगिस्तान में दिखाई देने वाली है। सऊदी अरब का नया नेशनल टेनिस सेंटर पहली नजर में विम्बलडन की याद दिला सकता है। सेंटर कोर्ट का बाहरी हिस्सा घास जैसा बनाया जाएगा, रंग भी वही हरा और बैंगनी होगा और इसकी डिजाइन भी काफी हद तक ऑल इंग्लैंड क्लब से प्रेरित है। दिलचस्प बात यह है कि इस प्रोजेक्ट को डिजाइन करने वाली आर्किटेक्चर कंपनी पॉपुलस वही है, जिसने विम्बलडन के सेंटर कोर्ट की मशहूर रिट्रैक्टेबल रूफ तैयार की थी। रिट्रैक्टेबल रूफ ऐसी छत होती है जिसे जरूरत पड़ने पर खोला और बंद किया जा सकता है। हालांकि, यहां एक बड़ा फर्क भी होगा। बाहर से यह कोर्ट भले ही घास वाला दिखे, लेकिन अंदर खिलाड़ी घास पर नहीं, बल्कि हार्ड कोर्ट पर खेलेंगे। कोर्ट की सतह भी बैंगनी और हरे रंग की होगी। सेंटर कोर्ट में 15 हजार दर्शकों के बैठने की क्षमता होगी और उस पर रिट्रैक्टेबल छत लगाई जाएगी, ताकि 45 से 50 डिग्री तक पहुंचने वाली गर्मी में भी मैच आराम से कराए जा सकें। इसके अलावा 8 हजार क्षमता वाला एक और कोर्ट भी छत से ढका होगा। पूरे परिसर में कुल 30 टेनिस कोर्ट होंगे। इनमें 28 हार्ड कोर्ट, 2 क्ले कोर्ट शामिल हैं। सभी कोर्ट मिलाकर 33 हजार दर्शकों के बैठने की व्यवस्था होगी। सऊदी के लिए यह सिर्फ एक स्टेडियम नहीं, बल्कि विजन 2030 का हिस्सा है। लक्ष्य है कि तेल पर निर्भर अर्थव्यवस्था को खेल, पर्यटन और मनोरंजन के जरिए नई पहचान दी जाए। इसी रणनीति के तहत सऊदी पहले ही कई टूर्नामेंटों का प्रायोजक बन चुका है। 2028 से एटीपी मास्टर्स-1000 टूर्नामेंट की मेजबानी भी करेगा। सिक्स किंग्स स्लैम जैसी प्रदर्शनी प्रतियोगिता में अल्कारेज, जोकोविच और यानिक सिनर जैसे सितारे खेल चुके हैं। 34 लाख करोड़ की लागत से बन रहे शहर का हिस्सा होगा टेनिस सेंटर-यह टेनिस सेंटर किद्दिया सिटी का हिस्सा होगा, जो रियाद से करीब 50 किलोमीटर दूर बन रही नई स्पोर्ट्स, एंटरटेनमेंट और कल्चर सिटी है। इस पूरे शहर पर लगभग 34 लाख करोड़ रुपए खर्च किए जा रहे हैं। यह शहर आकार में पेरिस से लगभग तीन गुना बड़ा होगा। इसी शहर में प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान स्टेडियम, 18 होल का गोल्फ कोर्स, थीम पार्क आदि बनाए जा रहे हैं।

नाम झुन्नू था, दिव्यांगता के कारण लोग झंडू कहने लगे, अब खेल पलटा भारत के लिए कॉमनवेल्थ गेम्स में पैरा पावरलिफ्टिंग का ब्रॉन्ज जीता

नालंदा। कॉमनवेल्थ गेम्स में पैरा पावरलिफ्टिंग में ब्रॉन्ज मेडल जीतने वाले झंडू कुमार के लिए उनकी मां कमला देवी के शब्द सबसे

बड़ी प्रेरणा बने। मुकाबले से कुछ देर पहले व्हाट्सऐप कॉल पर मां ने बेटे से कहा, 'बेटा, जब वहां तक पहुंच ही गए हो, तो देश का तिरंगा फहरा कर आना। पहला, दूसरा और तीसरा स्थान में से कोई भी स्थान लेकर आना।' मेडल जीतने के बाद झंडू ने सबसे पहले मां को फोन किया और कहा, 'तोहनी के आशीर्वाद से जीत गई लो मइया (मां, आपके आशीर्वाद से मेडल जीत गया)।' बड़े भाई कुंदन कुमार ने बताया कि हम चार भाइयों में झंडू सबसे छोटे हैं। एक भाई का निधन हो चुका है। मुकाबले से पहले शुक्रवार रात करीब 8 बजे झंडू ने घर पर फोन किया था। परिवार के सभी लोगों ने उन्हें 'विजयी भव' कहकर आशीर्वाद दिया। इसके बाद उन्होंने मां से बात की। मां ने कहा, 'जब वहां तक पहुंच गए हो, तो झंडा फहरा कर ही आना और पहला, दूसरा, तीसरा स्थान ले आना।' मां कमला देवी ने भास्कर से कहा, 'रात भर जगलीईओ और देखलियो बाबू ने देश का नाम रोशन कईलन।' (रात भर जागकर उनका मुकाबला देखा। झंडू को देश का नाम रोशन करते देखा।) उन्होंने बताया, 'जीतने के बाद झंडू ने कहा- जीत गईलियो मइया। उससे पहले भी आशीर्वाद लेवे खातिर फोन कईले रहलन। तब हम कहनी कि झंडा फहराकर आना।' नाम को लेकर उन्होंने बताया कि उनका नाम झुन्नू रखा गया था, लेकिन धीरे-धीरे सभी लोग उन्हें झंडू कहने लगे। रात 2 बजे तक जागकर देखा मुकाबला-कुंदन कुमार ने बताया कि पूरा परिवार रात 9 बजे तक खाना खा चुका था, ताकि सभी मिलकर झंडू का मुकाबला देख सकें। पहले झंडू ने बताया था कि उनका इवेंट रात 10 बजे होगा, लेकिन मुकाबला रात करीब 2 बजे शुरू हुआ। उन्होंने पहली कोशिश में 180 किलो वजन उठाया तो पूरे परिवार के चेहरे पर मुस्कान आ गई। मां कमला देवी और पिता रामानंद पासवान खुशी से मुस्कुरा रहे थे। इसके बाद झंडू ने 196 किलो वजन उठाया तो घर में तालियां गूंज उठीं। मां-पिता ने पूछा कि क्या हुआ, सभी ताली क्यों बजा रहे हैं? तब परिवार वालों ने बताया कि झंडू ने पदक जीत लिया है। सुबह बाजार पहुंचे तो लोगों ने दी बधाई-कुंदन बताते हैं कि सुबह जब वह सब्जी की दुकान जा रहे थे, तब रास्ते में मिलने वाले लोग रोक-रोककर बधाई दे रहे थे। जो लोग पहले उन्हें झंडूवा कहकर बुलाते थे, वही अब कह रहे थे, 'झंडू जी की जीत पर बधाई।' लगातार फोन भी आ रहे हैं। उन्होंने बताया कि झंडू पहले मां-पिता के साथ सब्जी की दुकान पर हाथ बंटाते थे। बाद में उन्होंने जिम जाना शुरू किया और धीरे-धीरे पावरलिफ्टिंग में रुचि बढ़ती गई।

परिवार ने कभी उन्हें रोका नहीं, बल्कि हर कदम पर पूरा साथ दिया। पढ़ाई के साथ मां-पिता के काम में भी हाथ बंटाते थे-झंडू हरनौत के सबनौह डीह गांव के रहने वाले हैं। चार भाइयों और तीन बहनों में सबसे छोटे हैं। वह दिव्यांग हैं। चार साल की उम्र में उन्हें पोलियो हो गया था, जिससे कमर के नीचे शरीर का एक हिस्सा प्रभावित हो गया। परिवार की आर्थिक स्थिति अच्छी नहीं थी। मां-पिता हरनौत बाजार में सड़क किनारे आलू-प्याज बेचकर परिवार का पालन-पोषण करते हैं।

मुंह में छाले, दर्द कहीं कैंसर तो नहीं, आख़िर कब खतरे का संकेत

नयी दिल्ली। मसूड़ों में सूजन, दर्द या मुंह में छाले होना कॉमन है। आमतौर पर ये लक्षण कुछ दिनों में अपने आप ठीक भी हो जाते हैं। ज्यादातर मामलों में ऐसा खराब ओरल हाइजीन, संक्रमण या चोट के कारण होता है। कुछ मामलों में स्ट्रेस या न्यूट्रिशन की कमी से भी ऐसा हो सकता है। अगर ये लक्षण ज्यादा दिनों तक बने रहें तो यह खतरनाक हो सकता है। दरअसल, ओरल कैंसर के शुरुआती लक्षण भी अक्सर सामान्य छाले या मसूड़ों में सूजन जैसे ही होते हैं। इसलिए इनके बीच का फर्क समझना जरूरी है। आज 'फिजिकल हेल्थ' में मसूड़ों में सामान्य सूजन और कैंसर के बीच फर्क समझेंगे। साथ ही जानेंगे कि- मसूड़ों के किन लक्षणों को नजरअंदाज नहीं करना चाहिए? किन लोगों को ओरल कैंसर का रिस्क ज्यादा होता है? इससे बचने के लिए क्या करें? विषय को समझेंगे एक्सपर्टः डॉ. शुभम गर्ग, डायरेक्टर, सर्जिकल ऑन्कोलॉजी, धर्मशिला नारायणा हॉस्पिटल, दिल्ली जी के साथ सवाल जवाब के माध्यम से। सवाल- मसूड़ों में सूजन और दर्द की समस्या कितनी कॉमन है? जवाब- मसूड़ों में सूजन यानी जिंजिवाइटिस दुनिया भर में सबसे कॉमन ओरल हेल्थ समस्याओं में से एक है। खराब ओरल हाइजीन, प्लाक जमा होने, सिगरेट पीने, डायबिटीज और कुछ अन्य कारणों से यह समस्या हो सकती है। यदि समय पर इसका इलाज न किया जाए, तो यह पेरियोडोंटाइटिस में बदल सकती है। इस स्थिति में दांतों को सहारा देने वाले मसूड़े, हड्डी और अन्य टिश्यूज धीरे-धीरे डैमेज होने लगते हैं, जिससे दांत ढीले पड़ सकते हैं और गंभीर मामलों में गिर भी सकते हैं। सवाल- अमूमन किन कारणों से सूजन और दर्द हो सकता है? यह सामान्यतः कितने दिनों में ठीक हो जाता है? जवाब- मसूड़ों में सूजन और दर्द के प्रमुख कारण इस प्रकार हैं- प्लाक और टार्टर (दांतों पर सख्त लेयर) जमना। ठीक से ब्रश और फ्लॉस न करना। चोट या जलन। मसूड़ों की बीमारी। दांत या मसूड़ों में संक्रमण। हॉर्मोनल बदलाव। दवाओं का साइड इफेक्ट। न्यूट्रिशनल डेफिशिएंसी। डायबिटीज। स्मोकिंग। यह कितने दिनों में ठीक हो जाता है? अगर जलन, मामूली चोट या हल्की सूजन है तो हाइजीन मेंटेन करने पर 3-10 दिनों में सुधार हो सकता है। अगर यह प्लाक या जिंजिवाइटिस के कारण है तो हाइजीन का ख्याल रखने और सही देखभाल से 1-2 सप्ताह में सुधार हो सकता है।

जब बच्चे टू-व्हीलर्स के लिए जिद करें, तो उन्हें जीवन के सबक भी दें

शुक्रवार को जब मैं बेंगलुरु में उस 7 किलोमीटर लंबे मार्ग

से गुजर रहा था, जहां बायोकॉन पार्क, माइक्रो लैब्स लिमिटेड, एपोटेक्स रिसर्च, एचसीएल टेक्नोलॉजीज का सेज परिसर, कार्ल जेइस इंडिया, सैनसेरा इंजीनियरिंग और टोयोटा इंडस्ट्रीज इंजन इंडिया जैसी सैकड़ों बहुराष्ट्रीय कंपनियां स्थित हैं, तभी मेरे चचेरे भाई का फोन आया।उन्होंने कहा, भाई, अरविंद (उनका बेटा, जो अभी 17 साल का हुआ है) कॉलेज जाने के लिए टू-व्हीलर मांग रहा है। मैंने उनसे पूछा कि तुम्हें इसमें ऐसी क्या चिंताजनक बात लग रही है, जो इस पर मेरी राय लेना चाहते हो?उन्होंने कहा कि वह अभी तक ऊपर की मंजिल से नीचे तक कपड़ों की टोकरी तक बिना गिराए नहीं ला पाता, लेकिन टू-व्हीलर मांग रहा है। शायद उसके दोस्तों के पास टू-व्हीलर्स हैं, इसलिए उस पर पीयर-प्रेशर है। मैंने कहा कि मैं थोड़ी देर में फोन करता हूं और डिसकनेक्ट कर दिया।उस महज 20 मिनट की ड्राइव पर मुझे एक घंटा लग गया। मेरे आगे चल रहे दोपहिया वाहनों को सड़क के क्षतिग्रस्त हिस्सों और गड्ढों से बचने की तमाम कोशिशों के बावजूद लगातार दचके लग रहे थे। इस बोम्मासंद्रा-जिगनी लिंक रोड पर गड्ढों और उखड़ी सड़क से जूझते बड़ी संख्या में दोपहिया वाहन चालकों को देखकर मेरे मन में ऐसे सबक उभरने लगे, जिन्हें मैं अरविंद के पैरेंट्स से साझा कर सकता था। इनमें से कुछ सीखें मुझे पिता ने दी थीं, कुछ मैंने स्वयं वाहन चलाते हुए सीखी हैं और कुछ साथी बाइकर्स से मिली हैं :अपनी पहचान का मोह छोड़ें : सड़क पर उतरते ही बाइकर्स को लगता है कि उन्हें एक खास तरह का व्यक्तित्व, पहनावा, अंदाज, सोच, बोलने और व्यवहार करने का तरीका अपनाना चाहिए। लेकिन जब मैं अपनी खरीदी बाइक पर पहली बार बैठा था तो मेरे पिता ने मुझे नसीहत देते हुए कहा था, एक बाइकर के रूप में तुम्हें ऐसी किसी चीज की जरूरत नहीं है। उन्होंने सहज अंदाज में कहा, तुम्हें कैसा होना चाहिए, इस विचार को छोड़ दो। तभी तुम उस व्यक्ति के लिए जगह बना पाओगे, जो तुम बन सकते हो या जो तुम पहले से हो।पकड़ थोड़ी ढीली रखें : उनका दूसरा सबक था, अगर तुम तनकर रहोगे तो जीवन भी तनाव से भरा रहेगा। इग्निशन स्विच ऑन करते समय अपने कंधों को ढीला छोड़ो। इससे हैंडल पर पकड़ सहज रहेगी और तुम सहज होकर आगे बढ़ पाओगे।

सड़क पर गड्ढे और खराब हिस्से भी आएंगे, इसलिए कई बार अचानक दिशा बदलनी पड़ सकती है। जितनी कसकर हैंडल पकड़ोगे, उतनी ही मुश्किल होगी। बाद में मुझे एहसास हुआ कि यह हिदायत सिर्फ टू-व्हीलर चलाने तक सीमित नहीं थी, बल्कि यह जीवन के भी कई पहलुओं पर लागू होती है।हर

बाइकर का खयाल रखें : बाइक चलाना शुरू करने से पहले मुझे बाइकर-वेव के बारे में पता नहीं था। ये वो संकेत है, जिसमें दो बाइकर एक-दूसरे की ओर दो उंगलियां उठाकर अभिवादन करते हैं। लेकिन जब मुझे इसका अर्थ समझ में आया, तब तो मुझे इससे प्यार हो गया। दरअसल, यह केवल एक ग्रीटिंग भर नहीं, बल्कि सुरक्षित रहने का यूनिवर्सल संदेश भी है। यह छोटा-सा इशारा बार-बार सेफ-ड्राइविंग की याद दिलाता है।सड़क पर प्रतिस्पर्धा न करें : कुछ लोग तेज रफ्तार से बाइक को पांचवें गियर में डालकर अगले ट्रैफिक सिग्नल के रेड होने से पहले ही वहां पहुंच जाना चाहते हैं। लेकिन मैंने यह सीखा है कि हर बाइक सवार की मंजिल एक जैसी नहीं होती।वाहन चलाते समय भी करें एक्सरसाइज : मुझे कई अनुभवी ड्राइवरों ने बताया है कि वे ट्रैफिक सिग्नल पर हरी बत्ती का इंतजार करते समय श्वास संबंधी अभ्यास करते हैं। वे सिग्नल पर बचे सेकंड्स के अनुसार इसे समायोजित करते हैं। लेकिन कार सवारों की तुलना में बाइकर्स अकसर इतनी जल्दबाजी में रहते हैं कि ऐसी बुनियादी बातों को भूल जाते हैं।याद रखिए, यह हमारे शरीर के लिए अच्छा है और दिमाग को शांत रखता है- फिर चाहे आप बाइक पर हों या नहीं। साथ ही, इससे आसपास के माहौल को बेहतर तरीके से देखने की क्षमता भी विकसित होती है, जो सुरक्षित ड्राइविंग के लिए बेहद महत्वपूर्ण है।फंडा यह है कि यदि आपका बच्चा टू-व्हीलर की मांग करता है, तो उसकी बात पर विचार जरूर कीजिए, लेकिन हेलमेट पहनने और यातायात नियमों का पालन करने की सीख देने के साथ-साथ उसे ये सिद्धांत भी सिखाइए।एन. रघुरामन

एआई के क्षेत्र में ये 4 फैक्टर हमें कामयाबी दिला सकते हैं

आप मानें या न मानें, लेकिन हम एक सभ्यतागत बदलाव से गुजर रहे हैं। पिछली बार इस

पैमाने का बदलाव औद्योगिक क्रांति में हुआ था, जिसे पूरा होने में दो सदियां लगी थीं। लेकिन ये वाला दो दशकों में पूरा हो जाएगा। स्टैनफोर्ड एआई इंडेक्स के अनुसार जीपीटी-3.5 स्तर के किसी मॉडल से प्रश्न पूछने की लागत 2022 में प्रति मिलियन टोकन 20 डॉलर थी, जो 2024 तक घटकर 0.07 डॉलर रह गई। सॉफ्टवेयर इंजीनियरिंग क्षमता का व्यावहारिक मूल्यांकन करने वाले 'एसडब्ल्यूई-बेंच' पर एआई सिस्टमों ने अपना प्रदर्शन सुधारा है। 2023 में ये सिस्टम केवल 4.4फीसदी समस्याएं हल कर पा रहे थे, 2024 में यह आंकड़ा 71.7फीसदी तक पहुंच गया। मैकिन्से के सर्वे में पाया गया कि 2025 तक 88फीसदी संगठन कम-से-कम एक व्यावसायिक कार्य में एआई का उपयोग शुरू कर चुके थे, जबकि दो वर्ष पहले यह आंकड़ा 55फीसदी था। जनरेटिव एआई भी तीन वर्षों में 53फीसदी आबादी तक पहुंच गया है। इंटेलिजेंस आज पहले से कहीं सस्ती, अधिक उपलब्ध और व्यापक रूप से इस्तेमाल योग्य बन चुकी है। इसे देखते हुए हर सरकार, कंपनी और संस्थान को अपनी धारणाओं पर दोबारा सोचना चाहिए। भारत के लिए भी ऐसे में आज असली सवाल है कि क्या हम इस बदलाव से मूल्य हासिल कर पाएंगे? भारत वैश्विक एआई सिस्टमों को डिजिटल डेटा, भाषाई विविधता और मानवीय संदर्भ उपलब्ध कराता है, लेकिन अत्याधुनिक मॉडल किन्हीं और देशों में ही केंद्रित हैं। स्टैनफोर्ड के अनुसार, 2024 में अग्रणी एआई मॉडलों में लगभग 90फीसदी अमेरिका से आए थे। दूसरे शब्दों में, भारत भविष्य की इंटेजिलेंस प्रणाली को प्रशिक्षित करने में मदद कर रहा है, लेकिन स्वयं की कम्प्यूटिंग क्षमता, डेटा आर्किटेक्चर और मॉडल निर्माण क्षमता के बगैर इस मूल्य का बड़ा हिस्सा विदेशों में चला जाता है। लेकिन भारत की शुरुआत कमजोर नहीं है। वास्तव में उसके पास चार ऐसे एडवांटेज हैं, जिनकी बराबरी बहुत कम देश कर सकते हैं। यह हैं- प्रतिभा, नियमों का खुलापन, इंफ्रास्ट्रक्चर और एनर्जी। प्रतिभा की बात करें तो एआई-कुशल आबादी के मामले में भारत का पहला स्थान है। हमारे यहां एआई कौशल का स्तर वैश्विक औसत से 2.8 गुना अधिक है, जो अमेरिका और जर्मनी से भी आगे है। पिछले दशक में भारत में एआई-प्रतिभा तेजी से बढ़ी है। भारत अब केवल इंजीनियर निर्यात करने वाला देश नहीं रहा, बल्कि घर में ही इस प्रतिभा का इस्तेमाल भी कर रहा है। ग्लोबल कैपेबिलिटी सेंटर, स्टार्टअप और बड़ी कंपनियां देश में एआई टीमें बना रही हैं। यह संकेत है कि भारत एआई युग का बैक-ऑफिस नहीं, उसके प्रमुख संचालन केंद्रों में से एक बन रहा है। दूसरे, कई देश जहां एआई पर पहले से कड़े नियंत्रण लागू करने की तरफ बढ़ रहे हैं, वहीं इस दिशा में भारत का नजरिया शायद दुनिया में सबसे दूरदर्शी है। हमने हल्के-फुल्के नियमनों को चुना है। आरबीआई का रेगुलेटरी सैंडबॉक्स, इंटरनेशनल फाइनेंशियल सर्विस सेंटर अथॉरिटी (आईएफएससीए) इनोवेशन फ्रेमवर्क और इंडिया-एआई मिशन की सिद्धांत-आधारित गाइडलाइन- ये सभी एक ही उद्देश्य के लिए डिजाइन किए गए हैं कि पहले बनाओ, फिर जो सामने आए उसे विनियमित करो। तेजी से बदलते क्षेत्रों में अत्यधिक कठोर नियम तकनीक के इस्तेमाल में देरी कर सकते हैं, लागू करने का खर्च बढ़ा सकते हैं और छोटी कंपनियों में प्रयोगों को हतोत्साहित कर सकते हैं। इसलिए व्यापक प्रतिबंध लगाने से पहले इनोवेशन को विकसित होने देने की भारत की नीति हमें प्रतिस्पर्धी बढ़त दिला सकती है। तीसरा लाभ है बुनियादी ढांचा। भारत डेटा सेंटरों, सेमीकंडक्टरों, क्लाउड कैपेसिटी और हाई-परफॉर्मेंस कम्प्यूटिंग के रूप में एआई अर्थव्यवस्था की आधारभूत संरचना में बड़े विस्तार का साक्षी बन रहा है। सिर्फ डेटा सेंटर क्षेत्र में ही 70 अरब डॉलर का निवेश चल रहा है और 90 अरब डॉलर के अतिरिक्त निवेश की घोषणा हो चुकी है। विशाखापट्?टनम में गूगल का 15 अरब डॉलर का एआई हब, क्लाउड और एआई में माइक्रोसॉफ्ट की 17.5 अरब डॉलर की प्रतिबद्धता, जामनगर में रिलायंस की मल्टी-गीगावॉट डेटा सेंटर की योजनाएं बताती हैं कि वैश्विक पूंजी भारत के स्थान को नए सिरे से परिभाषित करने में जुट गई है। डेटा सेंटरों को चौबीसों घंटे भरोसेमंद बिजली चाहिए। 2025-26 में देश ने रिकॉर्ड 55.3 गीगावॉट अतिरिक्त गैर-जीवाश्म ऊर्जा क्षमता हासिल की। बीते दशक में हमने सौर ऊर्जा शुल्कों को भी कम किया है। इससे भारत ऐसी जगह के तौर पर उभरा है, जहां एआई इंफ्रास्ट्रक्चर को क्लीन एनर्जी के जरिए चलाया जा सकता है। हमारे यहां एआई कौशल का स्तर वैश्विक औसत से 2.8 गुना अधिक है, जो अमेरिका और जर्मनी से भी आगे है। पिछले दशक में भारत में एआई-प्रतिभा तेजी से बढ़ी है। भारत घर में ही इस प्रतिभा का इस्तेमाल करने भी लगा है। (ये लेखक के अपने विचार हैं,अमिताभ कांत)

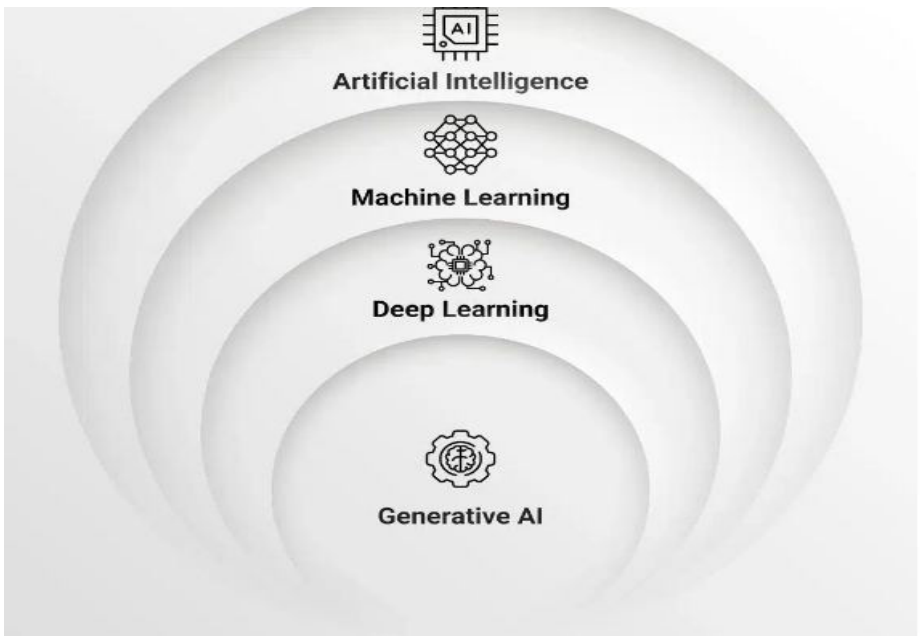

कामयाबी का फॉर्मूला नहीं, हुनर को क्राफ्ट में बदलें:प्रतिभा, अनुशासन और आत्म सम्मान... ये तीन चीजें आपकी क्षमता को सफलता में बदलती हैं

कामयाबी का कोई एक फॉर्मूला नहीं होता। अगर ऐसा कोई फॉर्मूला होता, तो शायद दुनिया में नाकामयाबी नाम की चीज ही नहीं होती। फिर भी कुछ बातें हैं, जो लगभग हर कामयाब इंसान की जिंदगी में किसी-न-किसी रूप में दिखाई देती हैं। मेरे अनुभव में कामयाबी के लिए तीन चीजें बेहद महत्वपूर्ण

हैं- प्रतिभा, अनुशासन और आत्म-सम्मान। इन तीनों में से किसी एक की भी कमी इंसान को उसकी पूरी क्षमता तक पहुंचने से रोक सकती है। सबसे पहले प्रतिभा की बात करते हैं। टैलेंट एक ऐसी पूंजी है, जो हमें जन्म के साथ मिलती है। कोई शब्दों का जादूगर बनकर पैदा होता है, कोई म्यूजिक की समझ लेकर, कोई मैथ्स को लेकर कुदरती हुनर के साथ और कोई लोगों के मन को पढ़ लेने की अद्भुत क्षमता के साथ। लेकिन टैलेंट अपने-आप में कामयाबी की गारंटी नहीं है। टैलेंट शुरुआती फायदा देता है, लेकिन आगे वही टिकता है जो अपने हुनर को क्राफ्ट में बदल देता है। दुनिया ऐसे लोगों से भरी पड़ी है, जिनमें बेमिसाल टैलेंट था, लेकिन उनकी उपलब्धियां उनकी काबिलियत से बहुत छोटी रहीं। बीज चाहे कितना भी अच्छा क्यों न हो, अगर उसे सही मिट्टी, पानी और देखभाल न मिले तो वह पेड़ नहीं बन सकता। इसी तरह टैलेंट को उपलब्धि में बदलने के लिए कड़ी मेहनत, सब्र और सेल्फ-डिसिप्लिन की जरूरत होती है। लेकिन यहां मुझे अपने बारे में एक सच्चाई स्वीकार करनी होगी। जब लोग कामयाबी और अनुशासन की बात करते हैं, तो वे अक्सर मान लेते हैं कि कामयाब इंसान हर दिन एक तयशुदा समय पर उठता होगा, हर काम वक्त पर करता होगा और कभी टाल-मटोल नहीं करता होगा। लेकिन मेरे मामले में यह तस्वीर पूरी तरह सही नहीं है। मैं उन लोगों में से हूं, जो अकसर काम को आखिरी वक्त तक टालते रहते हैं। मान लीजिए किसी ने कहा कि कोई गाना पांच तारीख तक देना है। मेरे भीतर से तुरंत एक आवाज आती है- अरे, अभी तो दो तारीख है। अभी बहुत वक्त है। फिर दो तारीख तीन में बदल जाती है, तीन चार में, और देखते-देखते पांच तारीख सामने खड़ी हो जाती है। तब अचानक एक अजीब-सा बदलाव होता है। जो काम कई दिनों से शुरू नहीं हो पा रहा था, वही कुछ घंटों में आगे बढ़ने लगता है। दिमाग तेजी से काम करने लगता है। विचार आने लगते हैं। शब्द मिलने लगते हैं। जैसे भीतर कहीं कोई मशीन थी, जो अब तक बंद पड़ी थी और अचानक पूरी रफ्तार से चलने लगी हो। कई बार मुझे लगता है कि मेरी प्रेरणा का स्रोत उत्साह और जोश से ज्यादा डर है, घबराहट है। मैं मूड बनने का इंतजार कम करता हूं, डेडलाइन के दबाव का इंतजार ज्यादा करता हूं। यह सुनने में अजीब लग सकता है, लेकिन बहुत-से रचनात्मक लोगों के साथ ऐसा होता है। दरअसल डेडलाइन की अपनी एक साइकोलॉजी होती है। जब समय बहुत होता है तो हमारा मन यह मानकर चलता है कि काम कभी भी किया जा सकता है। लेकिन जैसे-जैसे वक्त करीब आने लगता है, हमारे भीतर एक बेचैनी पैदा होती है। यही बेचैनी एनर्जी में बदल जाती है। यही एनर्जी हमें काम की ओर धकेलती है। मैं इसे डेडलाइन का आतंक कहता हूं। यह आतंक नुकसानदेह नहीं होता। यह वह डर नहीं है जो हमें जकड़ दे। यह वह डर है जो हमें जगाता है। यह हमें याद दिलाता है कि अब टालने की गुंजाइश नहीं बची। अब करना ही होगा। मुझे याद है, 'तुमको देखा तो ये खयाल आया' जैसे गीत को मैं कई दिनों तक टालता रहा। गीत लिखना था, लेकिन मैं उसे कल पर छोड़ता जा रहा था। फिर वह वक्त आ गया, जब डेडलाइन बिल्कुल सिर पर खड़ी थी। तब मैंने बैठकर उसे लिखना शुरू किया और हैरत की बात यह है कि पूरा गीत महज नौ मिनट में लिख गया। इससे मुझे एक बार फिर एहसास हुआ कि कई बार हम प्रेरणा का इंतजार करते रहते हैं, जबकि असली जरूरत काम पर बैठ जाने की होती है। जब आप काम शुरू कर देते हैं, तो शब्द अकसर खुद अपना रास्ता बना लेते हैं। दिलचस्प बात यह है कि उम्र बढ़ने के साथ यह आदत सुधरने के बजाय कई बार और मजबूत हो जाती है। मैं यह नहीं कहूंगा कि यह काम करने का बेहतर तरीका है। शायद यह मेरी कमजोरी है। लेकिन सच यह भी है कि इसी कामकाजी तौर-तरीके ने मुझे कई बार मेरी सीमाओं से आगे जाकर काम करने की क्षमता दी है। इसलिए मैं इसे अपनी कमजोरी और ताकत- दोनों मानता हूं। लेकिन कामयाबी की कहानी केवल टैलेंट और अनुशासन पर समाप्त नहीं होती। एक तीसरी चीज है, जिसके बिना कामयाबी का अर्थ अधूरा रह जाता है। वह है आत्म-सम्मान, खुद्दारी। इसे लोग अकसर अहंकार और घमंड समझ लेते हैं, जबकि दोनों में बहुत फर्क है। अहंकार आपको दूसरों से बड़ा साबित करना चाहता है, जबकि आत्म-सम्मान आपको अपने भीतर की गरिमा का एहसास कराता है। इसका

मतलब यह नहीं है कि आप खुद को सबसे बड़ा, सबसे बेहतर समझें। इसका मतलब सिर्फ इतना है कि आप अपनी वैल्यू पहचानें और अपनी गरिमा तथा सिद्धांतों से समझौता न करें। जिंदगी में बार-बार ऐसे हालात बनते हैं, जब इंसान को आराम और इज्जत में से किसी एक को चुनना पड़ता है। एक रास्ता आसान होता है। उसके लिए थोड़ा समझौता करना पड़ता है, थोड़ा सिर झुकाना पड़ता है और अपने कुछ उसूलों को किनारे रखना पड़ता है। बदले में फायदा मिलता है, मौके मिलते हैं और तरक्की का रास्ता खुलता हुआ नजर आता है, कभी-कभी कामयाबी भी मिल जाती है। लेकिन सवाल यह है कि उस कामयाबी की कीमत क्या है? हर किसी को अपने जीवन में एक अदृश्य लक्ष्मण-रेखा निर्धारित करनी पड़ती है। वही तय करती है कि वह किन परिस्थितियों में झुक सकता है और किनके सामने नहीं। यह रेखा किसी कागज या जमीन पर नहीं, बल्कि मन और विवेक के भीतर खिंची होती है। आपमें यह कहने का साहस होना चाहिए कि मैं यहां तक जा सकता हूं, लेकिन इसके आगे नहीं। इसलिए सेल्फ-रेस्पेक्ट सिर्फ एक जज्बा नहीं, बल्कि दुनिया के सामने अपनी अहमियत और अपनी हदों का ऐलान भी है। लेकिन इसका मतलब जिद भी नहीं है; यह समझना बहुत जरूरी है। टैलेंट आपको शुरुआत करने की ताकत देता है। अनुशासन आपको रास्ते पर बनाए रखता है। लेकिन आत्म-सम्मान आपको यह याद दिलाता रहता है कि मंजिल तक पहुंचने की दौड़ में आपने अपने भीतर के इंसान को कितना बचाकर रखा है। मैंने अपनी जिंदगी में यह देखा है कि रचनाकार का सबसे बड़ा निवेश उसका दिमाग और उसकी कल्पना होती है। एक गीतकार या लेखक अपनी रचना लिख देता है, लेकिन कई बार उसके बाद उस रचना से होने वाले लाभ में उसका कोई हिस्सा नहीं होता। मुझे यह हमेशा गलत लगा। जब मैंने गीतकारों और लेखकों के अधिकारों की बात उठानी शुरू की, तो बहुत लोगों ने कहा कि यह लड़ाई मुश्किल है, व्यवस्था ऐसी ही चलती आई है। कुछ लोगों ने सलाह दी कि मुझे अपने काम से काम रखना चाहिए। लेकिन मेरे लिए यह सिर्फ पैसों का मामला नहीं था। यह आत्म-सम्मान का मामला था। मेरा मानना था कि अगर किसी इमारत की नींव लेखक और संगीतकार रखते हैं, तो उन्हें यह अधिकार भी मिलना चाहिए कि उनकी रचना का इस्तेमाल जहां-जहां हो, वहां उनके अधिकार को मान्यता मिले। मैंने इस मुद्दे पर वर्षों तक आवाज उठाई, बैठकों में गया, बहसें कीं, लोगों को समझाने की कोशिश की। आखिरकार जब कॉपीराइट एक्ट में बदलाव हुए और लेखकों तथा गीतकारों के अधिकारों को अधिक मान्यता मिली, तो मुझे खुशी इसलिए नहीं हुई कि कोई व्यक्तिगत जीत मिली थी। संतोष इस बात का था कि रचनाकार की गरिमा को कुछ हद तक स्वीकार किया गया। मेरे लिए यह हमेशा आत्म-सम्मान की लड़ाई थी, और आत्म-सम्मान की लड़ाई कभी छोटी नहीं होती। (संपादन और समन्वय-अरविंद मण्डलोई,जावेद अख्तर)

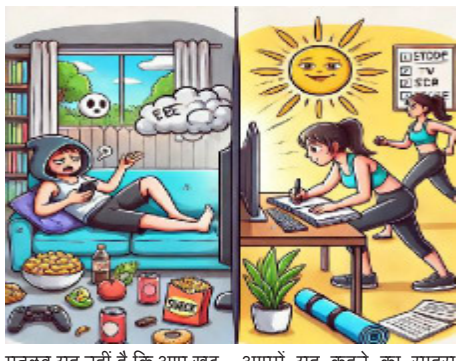

चीन-रूस जंग में आए तो अंजाम बुरा होगाःपुतिन-जिनपिंग ने मुझे यकीन दिलाया, वे ईरान को हथियार नहीं देंगे-ट्रम्प

तेहरान/वॉशिंगटन डीसी। 4. ईरान बोला- अमेरिका के आगे नहीं झुकेंगेः ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने कहा है कि ईरान अमेरिका के सामने झुकेगा नहीं और उसकी धमकियां भी बर्दाश्त नहीं करेगा। पालन करने की अपील की है। ट्रम्प बोले- ईरान से बातचीत जारी, लेकिन परमाणु हथियार नहीं बनाने देंगे। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने कहा है कि ईरान और अमेरिका के बीच बातचीत जारी है। अगर ईरान तेहरान इस संघर्ष को आगे नहीं बढ़ाना चाहता। उन्होंने कहा कि इस महत्वपूर्ण समय में ईरान और चीन को आपसी संपर्क और समन्वय बढ़ाना चाहिए। साथ ही उम्मीद जताई कि चीन तनाव कम करने और हालात सामान्य

उन्होंने यह बयान किर्गिस्तान में एससीओ के विदेश मंत्रियों की बैठक में दिया। 5. होर्मुज में 28 क्रू मेंबर्स वाले एलपीजी टैंकर पर हमलाः ईरान के जलक्षेत्र में एक एलपीजी टैंकर पर हमला हुआ। मोजाम्बिक के झंडे वाला यह टैंकर दिशा 28 भारतीय चालक दल के सदस्यों को लेकर जा रहा था। भारतीय दूतावास ने पुष्टि की है कि सभी भारतीय सुरक्षित हैं। होर्मुज स्ट्रेट में जहाजों की आवाजाही अब भी सामान्य नहीं- समुद्री जहाजों की निगरानी करने वाली कंपनी केप्लर ने बताया कि होर्मुज स्ट्रेट से जहाजों की आवाजाही अब भी सामान्य नहीं हुई है। कंपनी के ताजा आंकड़ों के मुताबिक, गुरुवार को होर्मुज स्ट्रेट से सिर्फ 6 जहाजों के गुजरने की पुष्टि हुई। यह एक दिन पहले के मुकाबले 60 फीसदी कम है। वहीं, बाब अल-मंदेब स्ट्रेट से जहाजों की आवाजाही बढ़ी है। गुरुवार को वहां से 49 जहाजों के गुजरने की पुष्टि हुई। सऊदी में संभावित खतरे को लेकर चेतावनी जारी- सऊदी अरब के यनबू गवर्नरेट में राष्ट्रीय प्रारंभिक चेतावनी प्रणाली की ओर से संभावित खतरे को लेकर अलर्ट जारी किया गया है। सिविल डिफेंस विभाग ने लोगों से शांत रहने और अधिकारियों की ओर से जारी निर्देशों का बात करना चाहता है तो वह सुनने के लिए तैयार हैं, लेकिन उसे परमाणु हथियार रखने की इजाजत नहीं दी जाएगी। वॉशिंगटन में एक कार्यक्रम में ट्रम्प ने दावा किया कि अमेरिकी सैन्य कार्रवाई से ईरान की सैन्य ताकत को भारी नुकसान पहुंचा है। उन्होंने कहा, 'हमने ईरान पर बहुत जोरदार हमला किया है। ईरान के पास अब रडार नहीं हैं। उसके पास बहुत कम ड्रोन बचे हैं। कभी-कभी वे कुछ हमले करते दिखाई देते हैं, लेकिन उनके पास अब ज्यादा क्षमता नहीं बची है।' चीन ने ईरान की संप्रभुता और सुरक्षा के समर्थन का भरोसा दिया-चीन के विदेश मंत्री वांग यी ने ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची से मुलाकात में कहा कि बीजिंग, ईरान की संप्रभुता, सुरक्षा और राष्ट्रीय सम्मान की रक्षा के उसके प्रयासों का समर्थन करता है। चीन के विदेश मंत्रालय के बयान के मुताबिक, वांग यी ने पश्चिम एशिया में हाल के दिनों में बढ़े तनाव पर गहरी चिंता जताई। उन्होंने कहा कि एमओयू समझौते को नहीं छोड़ा जाना चाहिए था। बातचीत जारी रहनी चाहिए और समझौते के तहत बनी सहमति पर लौटना सबसे जरूरी काम है। वहीं, अब्बास अराघची ने कहा कि ईरान की बातचीत करने की इच्छा कभी नहीं बदली और बनाने में आगे भी अहम भूमिका निभाएगा। बहरीन में अमेरिकी नौसैनिक ठिकाने पर ईरानी हमला-ईरानी मीडिया इरना के मुताबिक, बहरीन में अमेरिकी फिफ्थ फ्लीट के नौसैनिक ठिकाने पर जोरदार धमाके हुए हैं। रिपोर्ट में दावा किया गया है कि इस ठिकाने पर ड्रोन और मिसाइलों से हमला किया गया, जिसके बाद कई बड़े विस्फोट हुए। हालांकि, अभी तक अमेरिका या बहरीन की ओर से इस हमले और इससे हुए नुकसान की आधिकारिक पुष्टि नहीं की गई है। ईरान बोला- होर्मुज में असुरक्षा के लिए अमेरिका जिम्मेदार ईरान की सरकारी न्यूज एजेंसी इरना के मुताबिक, विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने कहा कि होर्मुज स्ट्रेट और पूरे क्षेत्र में जो असुरक्षा पैदा हुई है, उसकी पूरी जिम्मेदारी अमेरिका पर है। उन्होंने अमेरिका पर समझौता तोड़ने का आरोप लगाया। अराघची ने कहा कि अमेरिका ने ईरान के अहम बुनियादी ढांचे पर क्रूर हमले किए हैं और यह युद्ध अपराध हैं। ईरान अपनी संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता की रक्षा के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। उन्होंने सभी देशों से अंतरराष्ट्रीय संबंधों में ताकत के इस्तेमाल को सामान्य मानने का विरोध करने की अपील भी की।

ईरान पे सबसे बड़े हमले से पीछे हटे ट्रम्प,सेना को कार्रवाई रोकने का आदेश

अधिकारियों की चेतावनी- देश में पैट्रियट इंटरसेप्टर मिसाइलों की कमी

वॉशिंगटन डीसी/तेहरान। बातचीत में कुछ मुद्दों पर सहमति बनी है और बाकी मामलों पर तकनीकी और राजनीतिक स्तर पर बातचीत जारी रहेगी। कुवैत ने सऊदी में भी तनाव बढ़ गया है। ईरान ने कैस्पियन सागर में अपने जहाज पर हमले का आरोप लगाकर यूक्रेन के राजनयिक को तलब किया है। वहीं, यूक्रेन का दावा है कि उसने ईरान से में करता है। दूसरी ओर, जेलेंस्की का दावा है कि रूस मध्य पूर्व में हमलों के लिए ईरान को सैटेलाइट इंटेलिजेंस भी दे रहा है। कुवैत का ईरान पर अमेरिकी हमले में शामिल होने टीवी पैनल पर राष्ट्रपति मसूद पजशकियान के भाषण का अहम हिस्सा सेंसर करने का आरोप लगाया है। गवर्नमेंट इन्फॉर्मेशन काउंसिल ने कहा कि राष्ट्रपति के उस बयान को वेब राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की ने दावा किया कि यूक्रेन ने कैस्पियन सागर में ऐसे जहाजों को निशाना बनाया, जिनका इस्तेमाल ईरान से जुड़े सैन्य सामान की ढुलाई के लिए हो रहा था। हालांकि, उन्होंने ईरानी व्यापारिक जहाज पर हमले की सीधे पुष्टि नहीं की। ईरान बोला- अमेरिका को भड़का रहा इजराइल-ईरान की इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स ने इजराइल पर अमेरिका को भड़काने का आरोप लगाया है। आईआरजीसी के प्रवक्ता ने कहा कि इजराइल अमेरिकी राष्ट्रपति को झूठी जानकारी देकर ईरान के खिलाफ माहौल बना रहा है, ताकि अमेरिका मध्य पूर्व में अपनी मौजूदगी बनाए रखे और इजराइल अपने रणनीतिक उद्देश्यों को अमेरिकी क्षमताओं के जरिए पूरा कर सके। आईआरजीसी ने इजराइल को चेतावनी देते हुए कहा कि यदि उसने दोबारा युद्ध शुरू किया तो ईरान इसके जवाब में बड़ी तबाही लाएगा। जॉर्डन में सैनिकों की मौत के बाद अमेरिका की चिंता बढ़ी- हाल ही में जॉर्डन में तीन अमेरिकी सैनिकों की मौत के बाद चिंताएं और बढ़ गई हैं। एक वरिष्ठ अमेरिकी अधिकारी ने बताया कि ईरान के ड्रोन और मिसाइल हमले के दौरान एक बैलिस्टिक मिसाइल अमेरिकी सुरक्षा घेरे को भेदकर निकल गई थी। सैन्य विशेषज्ञों का मानना है कि अगर अभियान बढ़ाया गया, तो अमेरिकी सैनिक, खाड़ी देशों के सहयोगी और महत्वपूर्ण ठिकाने ईरानी जवाबी हमलों के प्रति असुरक्षित हो जाएंगे। अमेरिका ने कल पहली बार रात में हमले नहीं किए-पिछले दो हफ्तों से जारी सैन्य तनाव के बीच शनिवार को पहली बार रात में कोई बमबारी नहीं हुई। इससे पहले लगातार 13 रातों तक अमेरिकी हवाई हमले हुए थे, जिसके जवाब में ईरान ने भी क्षेत्र में अमेरिकी सैन्य संपत्तियों को निशाना बनाया था। हालांकि, पेंटागन ने संभावित स्थिति को देखते हुए हाल के दिनों में मध्य पूर्व में अतिरिक्त सैन्य बल और हथियार भेजे हैं। सैन्य योजनाकार ऊर्जा सुविधाओं, परिवहन लाइनों और ईरान की पिकएक्स माउंटेन स्थित परमाणु सुविधा पर हमले के विकल्प भी तैयार कर रहे थे।

जहाज पर हूती हमलों की निंदा की-कुवैत ने लाल सागर में सऊदी जहाज एनसीसी मासा पर हूती विद्रोहियों के हमले की कड़ी निंदा की है। कुवैत के विदेश मंत्रालय ने कहा कि यह हमला अंतरराष्ट्रीय कानून का खुला उल्लंघन है और समुद्री नौवहन व वैश्विक व्यापार की सुरक्षा के लिए सीधा खतरा है। मंत्रालय ने कहा कि कुवैत सऊदी अरब की संप्रभुता, सुरक्षा और राष्ट्रीय हितों की रक्षा के लिए उठाए गए सभी कदमों का पूरा समर्थन करता है। हूती विद्रोहियों ने पिछले सप्ताह सऊदी अरब के खिलाफ नौसैनिक नाकाबंदी की घोषणा की थी। इसके बाद सऊदी ने यमन के हूती नियंत्रित होदेदाह शहर पर जवाबी हवाई हमले किए, जबकि हूतियों ने सऊदी के तेल प्रतिष्ठानों को निशाना बनाने का दावा किया। ईरान-यूक्रेन में नया टकराव क्यों हुआ? रूस-यूक्रेन युद्ध के बीच अब ईरान और यूक्रेन के रिश्तों जुड़े सैन्य कार्गो वाले जहाजों को निशाना बनाया। जानिए दोनों देशों के बीच विवाद की वजह। 1. विवाद की शुरुआत कैसे हुई? ईरान का आरोप है कि कैस्पियन सागर में उसके एक व्यापारिक जहाज पर हुए हमले में एक नाविक की मौत हो गई और दूसरा घायल हो गया। इसके बाद तेहरान ने यूक्रेन के राजनयिक को तलब कर कड़ा विरोध दर्ज कराया। 2. यूक्रेन क्या कह रहा है? यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की ने दावा किया कि यूक्रेन ने कैस्पियन सागर में ऐसे जहाजों पर हमला किया, जिनका इस्तेमाल ईरान से जुड़े सैन्य सामान की ढुलाई के लिए किया जा रहा था। हालांकि उन्होंने ईरानी व्यापारिक जहाज पर सीधे हमले की पुष्टि नहीं की। 3. रूस-ईरान का क्या कनेक्शन है? यूक्रेन का आरोप है कि ईरान रूस को शाहेद ड्रोन उपलब्ध कराता है, जिनका इस्तेमाल रूस यूक्रेन पर हमलों से इनकार-कुवैत ने ईरान पर अमेरिकी हमलों में शामिल होने के दावों को सिरे से खारिज कर दिया है। कुवैत सरकार ने कहा कि उसने ईरान के खिलाफ किसी भी सैन्य अभियान में हिस्सा नहीं लिया और न ही अपनी जमीन, हवाई क्षेत्र या समुद्री सीमा का इस्तेमाल हमले के लिए होने दिया।यह सफाई वॉल स्ट्रीट जर्नल की उस रिपोर्ट के बाद आई है, जिसमें दावा किया गया था कि ईरान द्वारा खाड़ी देशों में अमेरिकी सैन्य ठिकानों पर मिसाइल और ड्रोन हमलों के जवाब में कुवैत और बहरीन ने भी ईरान के अंदर लड़ाकू विमान भेजे थे। अमेरिका में कुवैत की राजदूत शेखा अल-जैन अल-सबा ने रिपोर्ट को पूरी तरह बेबुनियाद बताते हुए कहा कि कुवैत ईरान के खिलाफ किसी भी सैन्य कार्रवाई का हिस्सा नहीं बना। ईरान के सरकारी टीवी पर सेंसरशिप का आरोप, राष्ट्रपति का भाषण काटा-ईरान सरकार ने सरकारी प्रसारित नहीं किया गया, जिसमें उन्होंने कहा था कि सुप्रीम लीडर के निर्देश पर अमेरिका के साथ बातचीत शुरू की गई थी। सरकार ने इसे सेंसरशिप बताते हुए कहा कि हाल के दिनों में सरकारी टीवी सरकार के शीर्ष नेताओं के बयानों के साथ भी ऐसा कर रहा है। वहीं, आईआरआईबी ने आरोपों को खारिज करते हुए कहा कि उसका उद्देश्य देश के शीर्ष नेतृत्व के बीच किसी तरह के मतभेद का गलत संदेश जाने से रोकना है। ईरान ने यूक्रेन के राजनयिक को किया तलब-ईरान ने कैस्पियन सागर में अपने व्यापारिक जहाज पर कथित हमले के विरोध में यूक्रेन के राजनयिक को तलब किया है। ईरान का आरोप है कि हमले में एक नाविक की मौत हुई और एक अन्य घायल हुआ। विदेश मंत्रालय ने इसे आक्रामक कार्रवाई बताते हुए कहा कि देश अपने राष्ट्रीय हितों और सुरक्षा की रक्षा करेगा। वहीं, यूक्रेन

3 दिन में लिखी गई प्रधान के इस्तीफे की स्क्रिप्ट, सीक्रेट मीटिंग, आरएसएस की सलाह,कैसे बदला खेल

नयी दिल्ली। 22 जुलाई रात 10.30 तक तय था कि केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान इस्तीफा नहीं देंगे। गृहमंत्री अमित शाह और पीएम मोदी का सपोर्ट उन्हें यानी रात में ही जेन जी के सबसे फेवरेट सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म इंस्टाग्राम के जरिए बात करेंगे। भाषा भी ऐसी हो जो जेन जी तक पहुंचे। ये तक तय हुआ पक्ष में नरेटिव तैयार करें। 2. एबीवीपी के छात्रों को प्रोटेस्ट में शामिल करना ताकि वे आंदोलन में शामिल स्टूडेंट्स को समझाएं या अंदर ही अंदर आंदोलन के मैसेजिंग हुई कि हर जिले में 500 युवा इकट्ठे हों। दिल्ली में जंतर-मंतर के साथ बिहार, यूपी में भी प्रदर्शन की आग बढ़ने लगी। डेडलाइन से 2 दिन पहले हो गया इस्तीफा- आंदोलन भड़का तो आरएसएस ने और स्पष्ट मैसेज भेजा। सरसंघचालक मोहन भागवत ने भी संदेश दिया कि जेन जी से संवाद करना चाहिए। हमारी पीढ़ी अलग थी। हम आदेश मानते थे। ये पीढ़ी संवाद चाहती है। जेन जी को उनके तरीके से समझाकर हम रास्ते में ला सकते हैं। भागवत ने मीडिया में ये बोलने से पहले ही संदेश पीएम और गृहमंत्री को भेज दिया था। आरएसएस ने साफ कहा कि अब अगर ये आंदोलन बढ़ा तो सरकार संकट में आ जाएगी। सिर्फ मोदी, शाह और आरएसएस को पता था कब इस्तीफा होगा-22 जुलाई की मीटिंग में बीजेपी की तरफ से जितेंद्र सिंह और जेपी नड्डा भी थे। हालांकि, प्रधान का इस्तीफा हुआ तो इसकी जानकारी सिर्फ अमित शाह, नरेंद्र मोदी और आरएसएस को थी। बीजेपी दफ्तर के अंदर तो किसी को खबर तक नहीं थी। नड्डा और जितेंद्र सिंह को भी तुरंत हुए इस इस्तीफे की खबर बाद में पता चली। इससे पहले किसान आंदोलन से बैकफुट में आई थी सरकार-इससे पहले किसान आंदोलन के हिंसक होने के बाद सरकार ने बिल वापस लिए थे। आंदोलनकारियों के सामने झुकने का ये दूसरा मौका है। सूत्र ने कहा, आप इसे झुकना कह रही हैं, मैं रणनीति कह रहा हूं। किसान आंदोलन की वजह से बिल वापस लिए गए। उसके बाद फिर कोई किसान आंदोलन दिखा क्या। अभी शांति जरूरी थी, सो इस्तीफा ले लिया। हालांकि कहानी अभी खत्म नहीं हुई है।

कुर्सी पर टिकाए हुए था। फिर आरएसएस और बीजेपी की एक मीटिंग हुई और कुर्सी डगमगाने लगी। शाह अब भी साथ थे, लेकिन प्रधानमंत्री का सपोर्ट हट चुका था। आरएसएस के 5 पदाधिकारियों की मोदी-शाह से मीटिंग-आरएसएस की तरफ से सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबोले, सह सरकार्यवाह अरुण कुमार और कृष्ण गोपाल के साथ दो और पदाधिकारी मौजूद थे। दूसरी तरफ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, गृहमंत्री अमित शाह, केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह और जेपी नड्डा मौजूद थे। ये मीटिंग न बीजेपी दफ्तर में हुई और न ही संघ कार्यालय में। वजह थी, इस मीटिंग और उसमें हुई बातों को सीक्रेट रखना। इस मीटिंग के बारे में किसी को खबर नहीं थी। तय हुआ पीएम मोदी तुरंत रात में ही जेन जी के अंदाज में बात करें-सोर्स ने बताया इसी मीटिंग में तय हुआ कि पीएम मोदी तुरंत कि पीएम निश्चिंत न दिखें। चेहरे पर चिंता और आंखों में नींद दिखे, ताकि मैसेज जाए कि वे स्टूडेंट्स की फिक्र में सोए नहीं। ऐसा इंस्टाग्राम की पोस्ट में झलका भी। इस्तीफे की स्क्रिप्ट भी तभी लिखी गई- संघ के प्रतिनिधियों ने सधी शैली में कहा कि धर्मेंद्र के इस्तीफे पर विचार करना चाहिए। आंदोलन भड़क रहा है। यूपी-पंजाब में चुनाव है। बिहार में सरकार अभी स्थिर नहीं हो पाई है। ऐसे में अगर ये आंदोलन वाकई नेपाल के जेन जी जैसा हुआ, तो सरकार कठिनाई से घिर जाएगी। आखिर में कहा गया कि ये संघ का स्पष्ट विचार है। इसके लिए 5 दिन यानी 27 जुलाई तक हमें देखना चाहिए कि पूरे देश से रिपोर्ट क्या आती है। अगर आंदोलन दब गया तो ठीक नहीं तो सोमवार को इस्तीफा दिलाना चाहिए। इन 5 दिनों में हमें पहले हर संभव कोशिश करनी चाहिए। जैसे-1. सरकार और पीएम के भीतर मतभेद पैदा करें। 3. आंदोलन में टूट डालें, जैसे विपक्ष अलग हो जाए, वांगचुक अलग और दीपके अलग। प्लान पर शुरू हुआ काम-1. दूसरे दिन रात में वांगचुक का अनशन तुड़वा दिया गया। ये मुश्किल नहीं था क्योंकि वांगचुक तैयार थे। 2. नरेटिव बनने लगा। एबीवीपी के छात्रों तक मैसेज भेजना शुरू हुआ। 3. 25 जुलाई को एबीवीपी से जुड़े करीब 150 स्टूडेंट्स प्रयागराज से दिल्ली पहुंचे। सुबह से जंतर-मंतर के प्रदर्शन में शामिल हो गए। जिला स्तर पर तो 23 जुलाई से ही छात्र एक्टिव हो गए थे। बीजेपी प्लान में फेल भी पास भी-सोर्स बताते हैं, 'वांगचुक और दीपके के बीच दरार पड़ गई। वांगचुक पर डील करने के आरोप लगे। बीजेपी इसमें कामयाब रही, लेकिन आंदोलन को बढ़ने से नहीं रोक पाई। दूसरी तरफ, एबीवीपी की तरह समाजवादी पार्टी की यूथ विंग एक्टिव हो गई।

राजनाथ बोले-देश इनोवेशन के रास्ते खोज रहा,पाक घुसपैठ के, अगर वह रोड़े अटकाएगा तो सेनाएं तैयार-रक्षामंत्री ने लद्दाख में कारगिल शहीदों को श्रद्धांजलि दी

नयी दिल्ली। भारत डेटा सेंटर बना रहा है तो पाकिस्तान रेडिकल सेंटर बना रहा है। भारत एआई से दुनिया को जोड़ रहा है तो पाकिस्तान हवाला शहीदों को श्रद्धांजलि दी-कारगिल विजय दिवस पर पीएम नरेंद्र मोदी ने प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट कर शहीदों को श्रद्धांजलि दी। उन्होंने लिखा कि जब पाकिस्तानी सैनिकों ने कारगिल की ऊंची पहाड़ियों पर चुपचाप कब्जा कर अपने ठिकाने बना लिए थे। 8 मई 1999 को कारगिल की आजम चौकी पर फर्नांडीज ने अपना रूस दौरा रद्द कर दिया। इसके बाद ऑपरेशन विजय लॉन्च किया गया। पाकिस्तानी सैनिक ऊंची पहाड़ियों पर बैठे थे, इस वजह से भारतीय सैनिकों को काफी मुश्किलों का सामना करना पड़ा। भारतीय जवानों ने दुश्मन की नजर से बचने के लिए रात में मुश्किल चढ़ाई की। शुरुआत में भारतीय सेना को इसी वजह से खासा नुकसान उठाना पड़ा था। भारत ने मिग-29 और मिराज-2000 से हमले किए थे-इस युद्ध में वायुसेना और नौसेना की भी बड़ी भूमिका रही। वायुसेना ने मिग-29 और मिराज- 2000 विमानों के जरिए पाक सैनिकों पर बम बरसाए। इस दौरान पाकिस्तान ने हमारे दो लड़ाकू विमान मार गिराए थे जबकि एक क्रैश हो गया था। नौसेना ने ऑपरेशन तलवार चलाया। इसके तहत कराची समेत कई पाक बंदरगाहों के रास्ते रोक दिए गए ताकि वह कारगिल युद्ध के लिए जरूरी तेल और ईंधन की सप्लाई न कर सके। साथ ही भारत ने अरब सागर में अपने जहाजी बेड़े को लाकर पाकिस्तान के समुद्री व्यापार रास्ते को भी बंद कर दिया था। इस युद्ध में एक निर्णायक मोड़ तब आया जब भारत ने बोफोर्स तोपों को भी युद्ध मैदान में उतारने का फैसला लिया। आसमान से वायुसेना का हमला और जमीन से बोफोर्स तोप के भारी-भरकम गोलों ने पाकिस्तानी सैनिकों को भागने पर मजबूर कर दिया। करीब 2 महीने तक दोनों देशों के बीच भीषण युद्ध चलता रहा। इस युद्ध में 527 भारतीय जवान शहीद हुए और पाकिस्तान के भी करीब 3000 सैनिक मारे गए। हालांकि, पाकिस्तान केवल 357 सैनिकों के मरने का ही दावा करता है। आखिरकार 26 जुलाई 1999 को भारत ने कारगिल की आखिरी चोटी पर भी कब्जा कर लिया।

से आतंकवाद जोड़ रहा है। समाज की सीमाओं से ऊपर उठने की क्षमता ही सैनिकों की असली ताकत है और इसी ताकत के दम पर हम कारगिल जैसे युद्ध जीतते हैं। रक्षा मंत्री शनिवार को द्रास पहुंचे थे-रक्षा मंत्री शनिवार को द्रास पहुंचे थे। यहां उन्होंने कारगिल वॉर मेमोरियल में आयोजित 'शौर्य संध्या' कार्यक्रम में हिस्सा लिया था। यह कार्यक्रम कारगिल विजय दिवस के उपलक्ष्य में आयोजित दो दिवसीय समारोह का हिस्सा है। सैनिकों को संबोधित करते हुए राजनाथ सिंह ने कहा कि आज भी चुनौतियां कम नहीं हुई हैं। घुसपैठियों की नीयत नहीं बदली है। वे अब भी प्रॉक्सी वॉर और घुसपैठ जैसे हथकंडे अपनाते हैं। मुझे पूरा विश्वास है कि भारतीय सेना ऐसी हर चुनौती का सामना करने के लिए पूरी तरह तैयार है। पीएम ने देश भारत की सुरक्षा के लिए वीर जवानों के असाधारण साहस, बलिदान और कर्तव्यनिष्ठा के प्रति कृतज्ञ है। उन्होंने कहा कि जवानों की अटूट देशभक्ति और कर्तव्य के प्रति समर्पण आने वाली पीढ़ियों को हमेशा प्रेरित करता रहेगा। कारगिल युद्ध करीब 84 दिन तक चला था-5 मई 1999 को पाकिस्तान की घुसपैठ के बाद भारत और पाकिस्तान के बीच कारगिल की पहाड़ी चोटियों पर जंग हुई थी। युद्ध करीब 84 दिनों तक चला। 26 जुलाई 1999 को भारत की जीत के साथ युद्ध आधिकारिक तौर पर खत्म हुआ। इसमें भारतीय सैनिकों के बलिदान और वीरता को याद करते हुए हर साल 26 जुलाई को कारगिल विजय दिवस मनाया जाता है। भारत ने ऑपरेशन विजय चलाकर कारगिल जंग लड़ी थी-कारगिल की लड़ाई की शुरुआत तब हुई, पाकिस्तान के करीब 12 जवानों ने कब्जा कर लिया था। शुरुआत में इसे घुसपैठियों द्वारा किया गया हमला बताया गया था, लेकिन बाद में यह साफ हो गया कि इसमें पाकिस्तानी सेना शामिल थी। इन पाकिस्तानी सैनिकों को एक भारतीय चरवाहे ने देख लिया था। इस चरवाहे ने भारतीय सेना के जवानों को पाकिस्तानी सैनिकों के घुसपैठ की सूचना दी। इस तरह भारत को पहली बार घुसपैठ की जानकारी मिली। पहले भारत समझ रहा था कि थोड़े बहुत आतंकियों ने ही कश्मीर की घाटी पर कब्जा किया है, इसलिए भारत ने चंद सैनिकों को ही इन्हें खदेड़ने के लिए भेजा। जब भारतीय सेना पर अलग-अलग चोटियों से जवाबी हमले हुए तब पता चला कि ये एक बड़ी साजिश का हिस्सा है। तत्काल भारतीय रक्षा मंत्री जॉर्ज

चेहरे पर बर्फ लगाने का ट्रेंड,डर्मेटोलॉजिस्ट से जानें इसके नफ़े-नुकसान, किन्हें नहीं लगाना चाहिए

नयी दिल्ली। हर कोई चाहता है कि उसका चेहरा बिना मेकअप के भी फ्रेश और ग्लोइंग दिखे। इन दिनों सोशल मीडिया पर फेस आइसिंग का ट्रेंड काफी वायरल है। इसमें बताया जा रहा है कि चेहरे पर बर्फ लगाने से मिनटों में ग्लो आ जाता है। दावा यह भी है कि इससे चेहरे की सूजन कम होती है और स्किन के पोर्स टाइट हो जाते हैं। हालांकि, सभी ट्रेंड हर स्किन टाइप के लिए सुरक्षित नहीं होते हैं। ज्यादा देर तक या गलत तरीके से बर्फ लगाने से स्किन का प्रोटेक्टिव बैरियर कमजोर हो सकता है। इसके कारण जलन, रेडनेस और सेंसिटिविटी जैसी समस्याएं भी हो सकती हैं। इसलिए 'जरूरत की खबर' में आज फेस आइसिंग की बात करेंगे। साथ ही जानेंगे कि- फेस आइसिंग का सही तरीका क्या है? इसके क्या फायदे हैं? फेस आइसिंग के रिस्क क्या हैं? विषय को समझेंगे एक्सपर्ट- डॉ. विजय सिंघल, सीनियर कंसल्टेंट, डर्मेटोलॉजी, श्री बालाजी एक्शन मेडिकल इंस्टीट्यूट, दिल्ली जी के साथ सवाल जवाब के माध्यम से। सवाल- चेहरे पर बर्फ लगाने का ट्रेंड इतना पॉपुलर क्यों है? जवाब- यह एक सस्ता, आसान और तुरंत असर दिखाने वाला स्किनकेयर है। बर्फ लगाने से स्किन पोर्स टाइट और फ्रेश दिखते हैं। इससे 'इंस्टेंट ग्लो' मिलता है। हालांकि इसका असर टेम्परेरी होता है। सवाल- क्या चेहरे पर डायरेक्ट बर्फ लगाना सेफ है? जवाब- नहीं, बर्फ बहुत ठंडी होती है, इसलिए इसे सीधे स्किन पर लगाने से-फ्रॉस्ट-निप (हल्की ठंड से डैमेज) हो सकता है। रेडनेस आ सकती है। जलन हो सकती है। स्किन बैरियर को नुकसान हो सकता है। कैपिलरीज (छोटी ब्लड वेसल्स) पर स्ट्रेस पड़ता है। इससे स्किन में इरिटेशन बढ़ सकता है। अगर चेहरे पर बर्फ लगानी ही है तो इसे सीधे लगाने की बजाय कपड़े में लपेटकर लगाएं। इसे देर तक रगड़ने से बचें। बर्फ को सीधे चेहरे पर नहीं लगाना चाहिए। इससे स्किन में जलन, रेडनेस हो सकती है। बर्फ को हमेशा कपड़े में लपेटकर चेहरे पर लगाएं और ज्यादा देर तक लगाते न रहें। एक बार में मैक्सिमम 15 सेकेंड तक ही लगाएं। सवाल- चेहरे पर बर्फ लगाने से क्या फायदा होता है? जवाब- यह स्किन को इंस्टेंट फ्रेश लुक देती है और कुछ टेम्परेरी स्किन इश्यूज में राहत दे सकती है। चेहरे पर बर्फ लगाने के फायदे- सूजन कम होती है। स्किन को ठंडक मिलती है। इंस्टेंट ग्लो आता है। पोर्स टाइट होते हैं। डार्क सर्कल्स कम होते हैं। सवाल- क्या 'आइस बाउल डिप' सुरक्षित है? जवाब- हां, 'आइस बाउल डिप' (चेहरे को बर्फ वाले पानी में डुबोना) से ठंडक के कारण चेहरे की सूजन कम हो जाती है और स्किन फ्रेश दिखने लगती है। लेकिन बहुत ठंडा पानी स्किन के लिए शॉकिंग हो सकता है। खासकर अगर स्किन सेंसिटिव और ड्राई है या फिर चेहरे पर कील-मुंहासे हैं। ऐसे में- पानी में बहुत ज्यादा बर्फ न डालें। चेहरा 5-10 सेकंड से ज्यादा न डुबोएं। 1-2 बार से ज्यादा रिपीट न करें। बाद में मॉइश्चराइजर जरूर लगाएं। सवाल- क्या डर्मेटोलॉजिस्ट से ही लेनी चाहिए। वे साइंटिफिक समझ, स्किन टाइप और मेडिकल कंडीशंस के आधार पर सलाह देते हैं।

वहीं, सेलिब्रिटीज और इन्फ्लुएंसर्स अक्सर ट्रेंड्स और अपने पर्सनल एक्सपीरियंस के आधार पर टिप्स देते हैं। जरूरी नहीं है कि ये टिप्स हर स्किन टाइप के लिए सुरक्षित या असरदार हों। इसलिए किसी भी स्किनकेयर ट्रेंड को अपनाने से पहले उसकी ऑथेंटिसिटी और एक्सपर्ट वैलिडेशन को प्राथमिकता देना जरूरी है। सवाल- क्या घर पर आइस फेशियल करना सही है? जवाब- हां, इससे स्किन थोड़ी फ्रेश लगती है। लेकिन सीधे स्किन पर बर्फ लगाना या लंबे समय तक बर्फ रगड़ना सही नहीं है। इसलिए-बर्फ को हमेशा कपड़े या कॉटन में लपेटकर लगाएं। फेस आइसिंग 1-2 मिनट से ज्यादा न करें। बहुत ज्यादा प्रेशर या रगड़ से बचें। सेंसिटिव या एक्ने-प्रोन स्किन हो तो पहले पैच टेस्ट करें। सवाल- क्या एक्सरसाइज करने या धूप से आने के बाद बर्फ लगाने से राहत मिलती है? जवाब- हां, एक्सरसाइज के बाद या धूप में रहने से स्किन में हीट और ब्लड फ्लो बढ़ जाता है। इससे रेडनेस हो सकती है। ऐसे में कोल्ड कंप्रेस हल्की सूजन कम करने में मदद करता है। लेकिन डायरेक्ट बर्फ लगाने से कैपिलरी डैमेज का रिस्क हो सकता है। इसलिए- बर्फ लगाने की बजाय ठंडे पानी से चेहरा धोएं। कपड़े में लपेटकर ठंडा कंप्रेस इस्तेमाल करें। सन एक्सपोजर के बाद एलोवेरा या सूदिंग जेल लगाएं। सवाल- किन लोगों को चेहरे पर बर्फ नहीं लगानी चाहिए? जवाब- हर स्किन टाइप के लिए बर्फ लगाना सुरक्षित नहीं होता। बर्फ कुछ लोगों की स्किन डैमेज कर सकती है। ये लोग चेहरे पर बर्फ न लगाएं-जिनकी स्किन सेंसिटिव है। जिन्हें ठंड से एलर्जी है। जिन्हें स्किन इंफेक्शन है। जिन्हें नर्व सेंसिटिविटी, जिन्होंने स्किन ट्रीटमेंट (लेजर/पील) कराया है। सवाल- क्या अलग-अलग स्किन टाइप पर बर्फ का असर अलग होता है? जवाब- हां, बर्फ का असर हर स्किन टाइप पर अलग होता है। पॉइंटर्स से समझते हैं- ऑयली स्किनः ठंडक से स्किन पोर्स थोड़े टाइट हो जाते हैं और पफीनेस कम लगती है। इसलिए यह टेम्परेरी अच्छा इफेक्ट देता है। ड्राई स्किनः बर्फ स्किन की नमी को कम कर देती है। इससे ड्राईनेस, खिंचाव और फ्लेकिंग (स्किन पर पपड़ी बनना) बढ़ सकती है। सेंसिटिव स्किनः डायरेक्ट बर्फ लगाने से रेडनेस, जलन और इरिटेशन हो सकता है। एक्ने-प्रोन स्किनः सूजन थोड़ी कम हो सकती है, लेकिन ज्यादा ठंडक से स्किन बैरियर डैमेज हो सकता है। इससे पिंपल्स बढ़ सकते हैं। सवाल- क्या गर्म और ठंडे मौसम में बर्फ लगाने का असर अलग होता है? जवाब- हां, मौसम के हिसाब से बर्फ का असर बदलता है। गर्मियों में हीट और पसीने की वजह से स्किन गर्म और पफी हो जाती है। ऐसे में हल्की ठंडक देने से कूलिंग, फ्रेशनेस और रेडनेस में अस्थायी राहत मिलती है। वहीं, सर्दियों में पहले से ही स्किन ड्राई और सेंसिटिव होती है। ऐसे में बर्फ लगाने से ड्राईनेस, खिंचाव और इरिटेशन बढ़ सकता है। स्किन बैरियर भी जल्दी डैमेज हो सकता है। सवाल- किन मेडिकल कंडीशंस में चेहरे पर बर्फ नहीं लगानी चाहिए? जवाब- कुछ स्किन कंडीशंस में चेहरे पर बर्फ लगाना नुकसानदायक हो सकता है। सवाल- कौन-से लक्षण दिखें तो तुरंत बर्फ लगाना बंद कर देना चाहिए? जवाब- चेहरे पर बर्फ लगाते समय अगर स्किन पर नेगेटिव रिएक्शन दिखें तो इसे तुरंत रोकना जरूरी है। ऐसे लक्षण इरिटेशन, एलर्जी या स्किन डैमेज का संकेत हो सकते हैं। ये संकेत दिखें तो न लगाएं बर्फ- तेज जलन या चुभन, अचानक ज्यादा रेडनेस, खुजली या रैशेज, स्किन सुन्न पड़ना सूजन, बंप्स आना, स्किन छिलना, ड्राई पैच बनना, स्किन का सफेद या नीला पड़ना। चेहरे पर बर्फ लगाने से जुड़े कॉमन सवाल-जवाब-सवाल- क्या आइस लगाने से चेहरे पर ग्लो आता है? जवाब- हां, लेकिन यह ग्लो अस्थायी होता है। बर्फ लगाने से ठंडक के कारण स्किन की ब्लड वेसल्स सिकुड़ती हैं। इससे पफीनेस कम दिखती है, पोर्स टाइट लगते हैं और चेहरा थोड़ा ब्राइट व फ्रेश दिखता है। सवाल- क्या आइस लगाने से रंग गोरा होता है? जवाब- नहीं, बर्फ लगाने से रंग गोरा नहीं होता। स्किन का असली रंग मेलानिन से तय होता है। इसे बर्फ बदल नहीं सकती। सवाल- क्या आइस लगाने से स्किन के पोर्स छोटे हो जाते हैं? जवाब- नहीं, आइस पोर्स को स्थायी रूप से छोटा नहीं करती। बर्फ लगाने से ठंडक के कारण स्किन की सतह टाइट महसूस होती है और पोर्स कुछ समय के लिए छोटे दिखने लगते हैं। लेकिन पोर्स का असली साइज जेनेटिक्स, ऑयल प्रोडक्शन और स्किन टाइप से तय होता है। इसे बर्फ बदल नहीं सकती। सवाल- क्या डार्क सर्कल्स पर आइस असर करती है? जवाब- आंखों के नीचे अगर सूजन की समस्या है तो ठंडक देने से ब्लड वेसल्स सिकुड़ती हैं और सूजन कम दिखने लगती है। इससे डार्क सर्कल्स हल्के हो जाते हैं। अगर डार्क सर्कल्स की वजह पिग्मेंटेशन, जेनेटिक्स, नींद की कमी या थिन स्किन है तो आइस से कोई खास फर्क नहीं पड़ता है। ध्यान रखें, अंडर-आई एरिया बहुत सेंसिटिव होता है। इसलिए प्रेशर न डालें।

सवाल- क्या चेहरे पर मेकअप से पहले आइस लगाना सही है? जवाब- हां, मेकअप से पहले हल्की ठंडक देने से पफीनेस कम होती है। स्किन थोड़ी टाइट और स्मूद लगती है। इससे मेकअप का बेस बेहतर दिखने लगता है। ध्यान रखें- उसके बाद मॉइश्चराइजर और प्राइमर जरूर लगाएं। सेंसिटिव स्किन हो तो अवॉइड करें।सवाल- क्या आइस लगाने से स्किन पतली या कमजोर हो सकती है? जवाब- आइस से स्किन पतली नहीं होती, लेकिन ओवरयूज या गलत तरीके से इस्तेमाल करने पर स्किन बैरियर डैमेज हो सकता है। इससे स्किन ज्यादा सेंसिटिव और कमजोर हो सकती है। सवाल- क्या आइस लगाने से झुर्रियां कम होती हैं? जवाब- नहीं, इससे फाइन लाइन्स कुछ समय के लिए कम नजर आने लगती हैं, लेकिन यह टेम्परेरी इफेक्ट है। झुर्रियां असल में कोलेजन की कमी, एजिंग और सन डैमेज के कारण बनती हैं। इन्हें बर्फ ठीक नहीं कर सकती।

क्या वॉशिंग मशीन बालकनी में रखना सही, जानें मेंटेनेंस टिप्स, कुछ सावधानियां

अहमदाबाद। वॉशिंग मशीन आज लगभग हर घर की जरूरत बन चुकी है। ज्यादातर घरों में यह आपको बालकनी में रखी मिलेगी। लोग जगह बचाने के लिए ऐसा करते हैं। यह सुविधाजनक तो है, लेकिन इसके नुकसान भी हैं। खुले स्पेस के कारण धूप, बारिश, नमी और धूल सबका असर सीधे मशीन पर पड़ता है।

इससे मशीन का परफॉर्मेंस बिगड़ता है और जल्दी खराब होने का रिस्क बढ़ जाता है। ऐसे में यह जानना जरूरी है कि वॉशिंग मशीन रखने के लिए सबसे सुरक्षित जगह कौन-सी है। इसलिए आज 'जरूरत की खबर' में समझेंगे कि वॉशिंग मशीन को सुरक्षित कैसे रखें। साथ ही जानेंगे कि- इसे घर के अंदर रखना चाहिए या बालकनी में? किन गलतियों से मशीन जल्दी खराब होती है? विषय को और समझेंगे एक्सपर्टः शशिकांत उपाध्याय, पावर इलेक्ट्रॉनिक्स इंजीनियर, अहमदाबाद जी के साथ सवाल जवाब के माध्यम से। सवाल- क्या वॉशिंग मशीन को बालकनी में रखना सही है? जवाब- हां, यह इस पर निर्भर है कि बालकनी कैसी है। ऐसी बालकनी में मशीन रख सकते हैं- जो हवादार हो, लेकिन एकदम ओपेन न हो। जो खुली हो, लेकिन धूल-मिट्टी से प्रोटेक्टेड भी हो। जहां पर प्रॉपर शेड (छाया) हो। जहां सीधे धूप न आती हो। जहां बारिश का पानी न आता हो। जहां मोटी वायरिंग वाला पावर सॉकेट हो। सवाल- क्या धूप, बारिश और धूल मशीन को नुकसान पहुंचाते हैं? जवाब- हां, धूप, बारिश और धूल तीनों वॉशिंग मशीन के लिए नुकसानदायक हैं। इनके एक्सपोजर से लंबे समय में मशीन का परफॉर्मेंस और लाइफ कम हो सकते हैं। सवाल- अगर मशीन पर डायरेक्ट सनलाइट पड़े तो इससे क्या नुकसान होगा? जवाब- लगातार यूवी किरणों और गर्मी के संपर्क में आने से मशीन के बाहरी और अंदरूनी पार्ट्स पर सीधा असर पड़ता है। धूप से वॉशिंग मशीन को नुकसानः-प्लास्टिक कमजोर होता है। रबर पार्ट्स सुख सकते हैं। मशीन का रंग फीका पड़ सकता है। बॉडी में क्रैक आ सकता है। ओवरहीटिंग का रिस्क बढ़ता है। मशीन की लाइफ कम होती है। बारिश में भीगने से मशीन का इलेक्ट्रिकल सिस्टम खराब हो सकता है।सवाल- ओपन स्पेस में धूल-मिट्?टी ज्यादा होती है। वहां वॉशिंग मशीन रखने से क्या नुकसान होगा? जवाब- खुले और धूल भरे माहौल में रखी वॉशिंग मशीन के अंदर गंदगी जमा हो सकती है, जिससे मशीन का परफॉर्मेंस और उसके पार्ट्स, दोनों प्रभावित होते हैं। धूल से वॉशिंग मशीन को नुकसान-मोटर जाम हो सकती है। फिल्टर ब्लॉक हो सकते हैं। आवाज, बाइब्रेशन बढ़ सकता है। मशीन जल्दी खराब हो सकती है। परफॉर्मेंस स्लो हो सकता है। सवाल- क्या फ्रंट लोड और टॉप लोड मशीन के लिए नियम अलग होते हैं? जवाब- हां, दोनों तरह की मशीन के नियम अलग होते हैं। दरअसल, दोनों की डिजाइन, वाटर मैनेजमेंट और वाइब्रेशन पैटर्न अलग होते हैं। इसलिए दोनों के प्लेसमेंट, मेंटेनेंस और आउटडोर (बालकनी) सेफ्टी गाइडलाइन भी अलग होती हैं।

पॉइंटर्स से समझते हैं- फ्रंट लोड मशीन के नियम-हर वॉश के बाद डोर थोड़ा खुला छोड़ें।

रबर गैस्केट को सूखे कपड़े से साफ करें। ज्यादा झाग वाला डिटर्जेंट न डालें। मशीन को बिल्कुल समतल जगह पर रखें। लंबे समय तक धूप और बारिश से बचाएं। ओवरलोडिंग से बचें। टॉप लोड मशीन के लिए खास नियमः-ऊपर ढक्कन खोलने के

लिए पर्याप्त स्पेस रखें। पानी का प्रेशर सही रखें। लिंट फिल्टर नियमित साफ करें। यह वॉशिंग मशीन का वो हिस्सा है, जो कपड़ों से निकले रेशे, बाल और गंदगी को पकड़कर मशीन को चोक होने से बचाता है। मशीन को दीवार से थोड़ा दूर रखें ताकि हवा आती-जाती रहे। बहुत हैवी कपड़े एक साथ न डालें। अगर मशीन बालकनी में रखी है तो फ्रंट लोड मशीन में नमी की समस्या ज्यादा होती है। टॉप लोड मशीन में ऊपर से धूल और पानी जाने का खतरा ज्यादा रहता है। दोनों मशीनों को डायरेक्ट सनलाइट और बारिश से बचाना जरूरी है। फ्रंट लोड मशीनः-डोर खुला रखें। एचई डिटर्जेंट यूज करें। गैस्केट साफ करें। ओवरलोड न करें। समतल जगह पर रखें। टॉप लोड मशीनः-ऊपर स्पेस रखें। लिट फिल्टर साफ करें। भारी कपड़े लिमिट में डालें। सवाल- वॉशिंग मशीन को बालकनी में रखने के लिए कंपनियों की क्या गाइडलाइंस हैं? जवाब- कंपनियां आमतौर पर सीधे 'बालकनी' जैसे शब्द इस्तेमाल नहीं करती हैं। ज्यादातर ब्रांड्स अपनी गाइडलाइन में यह लिखते हैं कि- मशीन को सीधे धूप से बचाएं। बारिश में भीगने से बचाएं। धूल से बचाकर रखें। अगर मशीन को ओपन या आउटडोर एरिया में रखने से कोई पार्ट डैमेज होता है, तो वारंटी क्लेम रिजेक्ट हो सकता है। सवाल- मशीन को बालकनी में रखते हुए किन बातों का ध्यान रखना चाहिए? जवाब- इसके लिए जरूरी है कि बालकनी में शेड हो, सीधी धूप न आती हो। वॉशिंग मशीन 12 बातें ध्यान रखें मशीन को हमेशा शेड में रखें। सीधे धूप और बारिश से बचाएं। मशीन के नीचे स्टैंड लगाएं। मशीन पर कवर लगाएं। आसपास पानी जमा न होने दें। प्लग और वायर सूखा रखें। बालकनी में वेंटिलेशन रखें। मशीन दीवार से दूर रखें। मशीन समतल जगह पर रखें। यूज के बाद थोड़ी देर ढक्कन खुला रखें। मशीन की रेगुलर सफाईः-करें। सवाल- क्या यूवी किरणें मशीन की बॉडी और पैनल खराब कर सकती हैं? जवाब- हां, ये मशीन की प्लास्टिक बॉडी को फेड और क्रैक कर सकती हैं। इसके अलावा- रबर पार्ट्स को ड्राई और कमजोर कर सकती हैं। कंट्रोल पैनल का परफॉर्मेंस भी खराब कर सकती हैं। सवाल- वॉशिंग मशीन को डायरेक्ट सनलाइट से बचाने के लिए क्या करें? जवाब- इसके लिए जरूरी है कि वॉशिंग मशीन रखते समय शेड, इंसुलेशन और सही पोजिशनिंग, तीनों का ध्यान रखें। वॉशिंग मशीन को सनलाइट से कैसे बचाएं? शेड नहीं है तो पहले शेड लगवाएं। बालकनी में सन ब्लाइंड या पर्दे लगाए। खस की घास के पर्दे लगा सकते हैं। मशीन के आसपास वेंटिलेशन रखें। मशीन को सीधे धूप वाली दिशा से हटाकर रखें। मशीन पर यूवी प्रोटेक्टेड कवर लगाएं। सवाल- क्या गर्मियों में खुली बालकनी में मशीन के ओवरहीट होने का रिस्क होता है? जवाब- हां, तेज धूप और ज्यादा टेम्परेचर की वजह से मशीन के अंदर की मोटर और इलेक्ट्रॉनिक पार्ट्स पर एक्स्ट्रा थर्मल लोड पड़ता है। इससे परफॉर्मेंस प्रभावित होता है और मशीन खराब भी हो सकती है। सवाल- क्या धूप में मशीन का रंग फीका पड़ सकता है? जवाब- हां, अगर मशीन डायरेक्ट सनलाइट में है और उस पर लगातार तेज धूप पड़ रही है तो उसका रंग फीका पड़ सकता है। इसका कारण ये है कि-युवी किरणें पेंट के केमिकल बॉन्ड को धीरे-धीरे तोड़ने लगती हैं। इससे मशीन का पेंट डैमेज होने लगता है। तेज धूप के कारण पेंट सूखकर कमजोर हो जाता है। इससे पेंट का शाइन कम हो जाता है और उखड़ने लगता है। इससे मशीन पुरानी और बेजान दिखने लगती है। सवाल- बालकनी में रखने पर क्या धूल-मिट्टी मशीन के मोटर/फिल्टर में जमा होकर मशीन को खराब कर सकती है? जवाब- हां, इससे कई तरह की समस्याएं हो सकती हैं। जैसे- एयरफ्लो बाधित होता है। मोटर पर लोड बढ़ता है। फिल्टर (खासतौर पर टॉप लोड में लिंट फिल्टर) जल्दी चोक हो सकता है। परफॉर्मेंस खराब हो सकता है। सवाल- क्या वॉशिंग मशीन पर कवर लगाना जरूरी है? जवाब- हां, कवर मशीन को धूप, धूल-मिट्टी और नमी से बचाता है। हालांकि, मशीन इस्तेमाल करते समय कवर हटाना और वेंटिलेशन बनाए रखना जरूरी है, ताकि नमी मशीन में न फंसे। सवाल- कौन-सा कवर बेहतर है- वाटरप्रूफ या फैब्रिक? जवाब- पॉइंटर्स से समझिए- अगर मशीन खुले में रखी है तो वाटरप्रूफ कवर बेहतर है। ये मशीन को बारिश, नमी और धूल से ज्यादा सुरक्षा देता है। लेकिन कवर में वेंटिलेशन जरूर होना चाहिए। अगर मशीन कवर्ड जगह (बाथरूम, किचन, कवर्ड स्पेस) में रखी है तो फैब्रिक का कवर भी ठीक है। इससे हवा पास होती रहती है, इसलिए नमी नहीं फंसती है। सवाल- क्या कवर हर वक्त लगाकर रखना चाहिए? जवाब- नहीं, वॉशिंग मशीन का कवर हर वक्त लगाकर रखना सही नहीं है। मशीन इस्तेमाल करने के तुरंत बाद कवर न लगाएं। लगातार ढंककर रखने से अंदर नमी फंस सकती है। इससे बदबू, फंगस और जंग की समस्या हो सकती है। जब मशीन इस्तेमाल में न हो, तब कवर लगाना बेहतर है। कवर ब्रीदेबल (हवा पास करने वाला) हो तो बेहतर है। सवाल- बालकनी में रखी मशीन की सफाई कैसे करें? जवाब- पॉइंटर्स से समझते हैं- हफ्ते में 1-2 बार सूखे/हल्के गीले कपड़े से बॉडी साफ करें। हर 1-2 वॉश के बाद लिंट फिल्टर साफ करें। महीने में 1 बार हॉट वाटर/क्लीनर से ड्रम को साफ करें। रबर गैस्केट पोंछकर रखें। वॉश के बाद डोर/ढक्कन खुला छोड़ें। सवाल- कितने दिनों में मशीन की सर्विसिंग करानी चाहिए? जवाब- पॉइंटर्स से समझते हैं-आमतौर पर वॉशिंग मशीन की सर्विसिंग हर 6-12 महीने में करानी चाहिए। अगर कोई समस्या हो, मशीन से ज्यादा आवाज आए या चोक हो तो तुरंत सर्विसिंग कराएं।

स्वत्वाधिकारी एवं मुद्रक
डॉ. दीपक अरोरा
द्वारा रामा प्रिंटर्स
53/25/1 ए बेली रोड न्यू कटरा प्रयागराज (उ.प्र) 211002 से मुद्रित एवं सी-41यूपी एसआईडीसी औद्योगिक क्षेत्र नैनी प्रयागराज।
संपादक/प्रकाशक
डा.पुनीत अरोरा
मो.न.09415608710
RNINO.UPHIN/2015/63398
www.adhuniksamachar.com

नोटः- इस समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी0आर0बी0 एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होगा।